हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 25 जून 2024

तापमान

अधिकतम 35.6 डिग्री

न्यूनतम 26.3 डिग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेन में चढ़ने से पहले बेस किचन का खाना चखेंगे रेल अफसर, पानी से लेकर सफाई तक बनेगी जांच रिपोर्ट

रेलवे की चेयरपर्सन ने देशभर के सभी सीनियर डीसीएम को स्पेशल ड्राइव चलाने जारी किए निर्देश

ट्रेन में यात्रियों के खाने से काकरोच मिलने पर रेलवे ने खाने की गुणवत्ता सुधारने के लिए देशभर में जांच अभियान चलाने का फैसला लिया है। यात्रियों की ओर से खाने की वस्तुओं की ओवरचार्जिंग की लगातार मिल रही शिकायतों से रेलवे भी चिंतित है। 29 जून तक चलने वाले इस अभियान की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। रेलवे की चेयरपर्सन ने इस मामले में देशभर के सभी सीनियर डीसीएम को स्पेशल ड्राइव चलाने के निर्देश जारी किए। खासकर उत्तर रेलवे में इस तरह की शिकायतें ज्यादा आ रही हैं, जिसको लेकर चीफ कमर्शियल मैनेजर (सीसीएम) कैटरिंग को इसकी मानीटरिंग करने के निर्देश दिए। 21 जून को रेल मंत्रालय ने सभी जोन के प्रिंसिपल चीफ कामर्शियल मैनेजर और चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर, आईआरसीटीसी को भी इस विशेष अभियान के बारे में अवगत कराया।

हरिभूमि लगातार

- 29 जून से अभियान की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी करेंगे, निरीक्षण पर रेलवे बोर्ड को भेजी जाएगी रिपोर्ट
- वंदेभारत में यात्री के भोजन से काकरोच मिलने के बाद रेलवे सख्त

स्टेशन में यात्रियों को सम्मोसा और थेपला पसंद नहीं, बासी खाने और चीटियों से भी परेशान

इस फॉर्मेट में होगी जांच

अभियान को लेकर एक रिपोर्ट का प्रारूप भी दिया गया है, जिसमें रोजाना रिपोर्ट मुख्यालय को भेजनी होगी। रिपोर्ट में जोन कौन सा है, किस आफिसर ने किस तारीख को किस स्टेशन पर निरीक्षण किया, ओवरचार्जिंग की कितनी शिकायतें मिलीं, फूड क्वालिटी, सर्विस स्टाफ का व्यवहार, कमी पाए जाने पर क्या एक्शन लिया गया।

खाना सर्व होने से पहले चखना होगा स्वाद

रेलवे की कई ऐसी महत्वपूर्ण ट्रेनें हैं, जिसमें यात्रियों के खाने का चार्ज टिकट में ही जोड़ दिया जाता है। शताब्दी, राजधानी, दूरंतो, वंदेभारत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में प्राइवेट कंपनियों के लोग ही बेस किचन में खाना तैयार करते हैं और फिर यह स्टेशन के माध्यम से ट्रेन में यात्रियों को दिया जाता है। खाना सर्व होने से पहले अधिकारियों को इसका स्वाद चखना होगा। खाना बनाते समय किसी प्रकार की कोई कमी तो नहीं, इसको लेकर भी जांच की जाएगी। खाने का स्वाद ही नहीं, यह कैसे बनाया जा रहा है, साफ सफाई का कितना प्रबंध है, इसको लेकर भी रिपोर्ट तैयार होगी। यदि कहीं कमी मिलती है, तो आईआरसीटीसी को जुर्माना लगाने के लिए रेल मंत्रालय सिफारिश करेगा और इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। रेलवे के इस अभियान में पानी की बोतलों को लेकर भी दिशा निर्देश दिए गए हैं। जांच टीम अब ट्रेनों में रेल नीर की कितनी बोतलें उपलब्ध हैं, इसको लेकर भी जांच करेगी। यात्रियों को पानी अनाधिकृत मार्का का तो नहीं दिया जा रहा है, इसको लेकर भी जांच होगी।

खबर संक्षेप

कोयला घोटाला मामले में 3 आरोपियों की रिमांड बढ़ी

रायपुर। बहुचर्चित कोयला घोटाला मामले में तीन आरोपियों की रिमांड बढ़ी है। ईओडब्ल्यू ने सोमवार को स्पेशल कोर्ट में निखिल चंद्राकर, हेमंत जायसवाल और चंद्रप्रकाश जायसवाल पेश किया। कोर्ट ने तीनों की रिमांड अवधि 27 जून तक बढ़ा दी है। तीनों आरोपियों को पिछली सुनवाई के दौरान 24 जून तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया था। रिमांड अवधि खत्म होने के बाद तीनों को फिर कोर्ट में पेश किया गया।

सूने मकान में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। डीडीनगर क्षेत्र में सूने मकान में चोरी करने वाले दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रार्थी हेमलाल सोनकर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि शिवम विहार कॉलोनी साई मंदिर के पास महादेवघाट रायपुरा में उसका घर है।

12 जून को वह सपरिवार राजिम गया हुआ था। दूसरे दिन दोपहर में जब उसका परिवार वापस लौटा तो घर में चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों वीर अभिमन्यु उर्फ मन्ना एवं तिलक सागर को गिरफ्तार किया है। दोनों डीडीनगर क्षेत्र के रहने वाले हैं। दोनों के कब्जे से पुलिस ने चोरी के चांदी के जेवरात, बिजली वायर एवं नकद रकम बरामद की है। वीर अभिमन्यु शातिर चोर है, जो पूर्व में दर्जनभर चोरी के प्रकरणों में जेल जा चुका है। दोनों के विरुद्ध धारा 457, 380 भादवि. के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

नल-शॉवर चोरी, धरे गए दो आरोपी

रायपुर। नल व शॉवर चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास यादव उर्फ गोगा और विशाल निहाल दोनों बूढ़ीमाता मंदिर के पास राजेंद्र नगर के निवासी है। दोनों आरोपियों के

कब्जे से 2 नल एवं 1 शॉवर जब्त किया गया है। आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वे दोनों रात के समय में अंधेरे का फायदा उठाकर घर में प्रवेश करते और बाथरूम व बेसिन में लगे नल व शॉवर चोरी किया करते थे। आरोपियों ने सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में प्रार्थिया कंचन खोखनी के घर के बाथरूम में चोरी की थी। पुलिस दोनों के खिलाफ धारा 457,380,34 भादवि. के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

शराब परिवहन करते पकड़े गए दो कोचिए

रायपुर। शराब परिवहन कर ले जाते दो कोचियों को अलग-अलग स्थानों से मंदिर हसौद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 23 जून को मंदिर हसौद फाटक के पास आरोपी राहुल वर्मा निवासी ग्राम माठ थाना खरोरा को स्कूटी से शराब ले जाते पकड़ा। उसके कब्जे से 40 पौवा देशी शराब जब्त की है, जिसकी कीमत 55 हजार रुपए है। इसी प्रकार जेपी ढाबा के पास राहुल यादव निवासी सड्डु हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी को स्कूटी से शराब परिवहन करते गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से भी 40 पौवा देशी शराब जब्त की है, जिसकी कीमत 4400 रुपए है।

मरीजों की संख्या के हिसाब से चिकित्सकीय स्टाफ कम

मरीज ज्यादा, सेटअप कमजोर, इसलिए एम्स में इमरजेंसी में मारामारी, गलियारा भी पैक

गंभीर मरीज ज्यादा तो इमरजेंसी बेड भी पड़ रहे कम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोरोना के पहले डेढ़ से दो हजार मरीजों का इलाज करने वाले एम्स की ओपीडी में चार हजार मरीज पहुंच रहे हैं। सीमित संसाधन और चिकित्सकीय स्टाफ की कमी की वजह से वहां मरीजों को इलाज के लिए ज्यादा इंतजार करना पड़ रहा है। गंभीर मरीजों की संख्या ज्यादा होने की वजह से इमरजेंसी के सवा सौ बेड भी कम पड़ रहे हैं। हालात यह हैं कि अस्पताल का गलियारा भी पैक हो चुका है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में अपनी बीमारियों का इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उसकी तुलना में वहां के चिकित्सकीय सिस्टम का सेटअप कम पड़ने लगा है। मरीजों को अपने इलाज के लिए कई बार लंबा इंतजार करना पड़ता है। अभी औसतन चार हजार मरीज यहां इलाज के लिए एम्स पहुंच रहे हैं, जिसकी वजह से विभिन्न विभागों में मरीज ओवरलोड हो रहे हैं। यहां 987 बेड उपलब्ध हैं, जो जरूरत के हिसाब से कम हैं और कई बार मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। अस्पताल में संचालित कई विभाग ऐसे हैं, जहां मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है, मगर चिकित्सक कम होने के कारण जांच के लिए आगे की तारीख देनी पड़ती है। जांच से संबंधित विभिन्न संसाधन भी कम होने के कारण मरीजों को अपनी बारी के लिए सप्ताहभर से पंद्रह दिन तक इंतजार करना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी इमरजेंसी बेड को लेकर होती है। यहां भी क्षमता 120 बेड की है, मगर मरीज अधिक होने के कारण उन्हें कई बार स्ट्रेचर में रखकर भी इलाज करना पड़ता है।

हरिभूमि सरोकार

ट्रामा विस्तार में लगेगा वक्त

गंभीर स्थिति में आने वाले मरीजों के उपचार के लिए यहां इमरेंसी एवं ट्रामा यूनिट के विस्तार का काम शुरू किया गया है। यहां की क्षमता डेढ़ सौ बेड की होगी जिसके बाद आपात स्थिति में उपचार कराने वालों को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा, हालांकि इस यूनिट के निर्माण में साल से दो साल का वक्त लगने की संभावना है।

परिजनों के लिए भवन की योजना

इलाज के लिए दूर-दराज से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के ठहरने के लिए आवास सुविधा देने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसका प्रस्ताव राज्य शासन को भेजने की तैयारी की जा रही है जिसके बाद जमीन मिलने पर वहां निर्माण किया जाएगा। अस्थायी ठिकाना मिलने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी।

अटका है यूनिट-2

नवा रायपुर में एम्स यूनिट-2 की योजना काफी समय से अटकी पड़ी है। योजना के अनुसार यहां स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ सेंटर का संचालन किया जाना है। इसके अलावा आसपास के लोगों को यहां प्राथमिक उपचार की सुविधा भी दी जाएगी। योजना के तहत राज्य शासन से काफी समय पहले जमीन तो मिल चुकी है, मगर इसके निर्माण के लिए केंद्र सरकार से फंड मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

सीमित संसाधन

एम्स के कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा कि मरीजों की संख्या के हिसाब से चिकित्सकों की संख्या कम है, जिसकी वजह से मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। डाक्टरों की कमी के बीच अस्पताल में बेड अथवा अन्य संसाधन बढ़ाने का फायदा नहीं होगा। यहां चिकित्सकों की कमी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। गंभीर स्थिति में आने वाले मरीजों को तत्काल इलाज की सुविधा के लिए इमरजेंसी एवं ट्रामा यूनिट तैयार किया जा रहा है। किडनी के बाद यहां लिवर ट्रांसप्लांट शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है और भविष्य में हार्ट ट्रांसप्लांट पर भी विचार किया जा रहा है।

रविवि आज सौंपेगा छात्रों की सूची, मेरिट लिस्ट देर रात तक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कॉलेजों में दाखिले का इंतजार कर रहे छात्रों की प्रतिक्षा आज समाप्त हो सकती है। पं. रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा महाविद्यालयों को आज देर शाम तक उन छात्रों की सूची सौंप दी जाएगी, जि न्हों ने संबंधित महाविद्यालय का चयन विकल्प के रूप में किया है। सूची प्राप्त होने के बाद कई महाविद्यालय मंगलवार देर रात तक ही सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड करने की तैयारी में हैं तो कई महाविद्यालय बुधवार को पहली मेरिट लिस्ट जारी करेंगे। जिन महाविद्यालयों की पहली मेरिट लिस्ट आज आने की संभावना है, उसमें महंत कॉलेज सहित कई ⏭शेष पेज 13 पर

- महंत सहित कई महाविद्यालय आज जारी करेंगे मेरिट लिस्ट

बीकॉम का लौटा क्रेज, बीए फिर पीछे

शहर के शीर्ष महाविद्यालयों के प्राचार्यों ने बातचीत में बताया कि इस बार बीकॉम के लिए सीट से चार गुणा तक अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। जबकि बीए के लिए दो से तीन गुना आवेदन ही मिले हैं। विद्यार्थियों में बीकॉम का क्रेज फिर लौट रहा है। इसके अलावा बीबीए और बीसीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम को लेकर भी छात्रों की दिलचस्पी बढ़ी है। इसके उलट बीते कुछ सत्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र बड़ी संख्या में बीए का चुनाव कर रहे थे।

भेजे जाएंगे मैसेज

रविवि आज देर शाम तक छात्रों के नाम देगा। हम मंगलवार को ही सूची जारी करने की तैयारी कर चुके हैं। छात्रों को मैसेज भी भेजेंगे।
- डॉ.देवाशीष मुखर्जी, प्राचार्य, महंत कॉलेज

रविवि कराएगा योगा में सर्टिफिकेट कोर्स, अगले सत्र से दो विभाग देंगे इसमें डिप्लोमा

- वर्तमान में योगा डिपार्टमेंट में ही होता है सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री कोर्स
- नए सत्र से शारीरिक शिक्षा विभाग में भी किया जाएगा प्रारंभ, थोक में मिलती रही है अर्जी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 से योगा में सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किया जाएगा। अगले सत्र से इस विभाग में डिप्लोमा और डिग्री कोर्स भी प्रारंभ किए जाने की तैयारी है। वर्तमान में योगा में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रम केवल योगा विभाग में ही संचालित किए जा रहे हैं। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा भी इस पाठ्यक्रम को प्रारंभ किए जाने के बाद रविवि के दो विभाग ऐसे होंगे, जिनके द्वारा एक ही विषय में उपाधि प्रदान की जाएगी।

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

गौरतलब है कि योगा को लेकर लोगों में क्रेज बीते कुछ सालों में बढ़ा है। रविवि के योगा विभाग में इसकी सीमित सीटें हैं। हर साल सैकड़ों की संख्या में आवेदन योगा विभाग में संचालित पाठ्यकम के लिए प्राप्त होते ⏭शेष पेज 13 पर

45 दिनों का होगा सर्टिफिकेट कोर्स

शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रारंभ किया जाने वाले सर्टिफिकेट कोर्स 45 दिनों का होगा। इसमें उम्र की कोई बाध्यता नहीं होगी। कोई भी व्यक्ति इसमें दाखिला ले सकता है। ऐसे छात्र जो अन्य किसी डिग्री अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे हैं, वे भी इसके लिए पंजीयन करा सकते हैं। बारहवीं के बाद इसमें प्रवेश लिए जा सकेंगे।

सर्टिफिकेट कोर्स की कितनी बैच एक सत्र में संचालित की जाएंगी तथा इसकी अवधि कब से कब तक होगी, इस पर अंतिम निर्णय लिया गया है। सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने के पूर्व रविवि द्वारा इस संदर्भ में छात्रों को सूचित किया जाएगा।

45 दिनों का कोर्स

योगा में सर्टिफिकेट कोर्स 45 दिनों का होगा। डिग्री-डिप्लोमा अगले सत्र से प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए ऑर्डिनेंस तथा अन्य प्रक्रियाएं आवश्यक हैं।
- प्रो.राजीव चौधरी, मीडिया प्रभारी, रविवि

बारिश थमते ही चार डिग्री उछला पारा, कल से फिर झमाझम के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बारिश थमते ही राजधानी के अधिकतम तापमान में चार डिग्री की वृद्धि हो गई। मानसून के सक्रिय होने के बाद से बंद हुए कूलर उमस भरी गर्मी की वजह से फिर से प्रारंभ हो गए। बुधवार को बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सिस्टम से पुनः झमाझम बारिश के आसार बन रहे हैं।

- बस्तर सहित सीमित स्थानों में हुई वर्षा

पिछले चौबीस घंटे में बस्तर के भैरमगढ़ में 15 सेमी. की अतिभारी वर्षा हुई और अन्य सीमित इलाकों में बादल सामान्य रूप से बरसे। हवा की दिशा में बदलाव होने की वजह से सोमवार को वर्षा थमी रही, जिसका असर गर्मी के रूप में महसूस हुआ। रायपुर का पारा रविवार को 31.6 डिग्री था, जो सोमवार को 35.6 तक पहुंच गया। चार डिग्री की वृद्धि ही वजह से आज दिन में धूप महसूस हुई। मानसून के आने के बाद यहां हल्की से मध्यम वर्षा होने की वजह से तापमान में गिरावट हो गई थी। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि मंगलवार को भी तापमान अधिक रहने की संभावना है, इसके बाद बंगाल की खाड़ी में तैयार होने वाले सिस्टम की वजह से 26 जून से वर्षा की गतिविधि पुनः बढ़ने की उम्मीद है। बस्तर में एक दो स्थानों पर भारी बारिश होने और अधिकतर हल्की से मध्यम रूप में इसका असर रहने की उम्मीद है।

सर्वर प्रॉब्लम, रजिस्ट्री की कमाई आधी

मई की तुलना में जून में रजिस्ट्री का आंकड़ा घटा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नया सिस्टम आने के बाद से रजिस्ट्री कराने पहुंचने वालों की मुश्किलें खत्म नहीं हो रही हैं। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट में दस्तावेजों के अपलोड करने के दौरान मामूली त्रुटि हो जाने पर भी अपॉइंटमेंट सीधे कैंसिल हो जा रहा है। इसके कारण दोबारा रजिस्ट्रीकर्ता को अपॉइंटमेंट लेना पड़ता है, वहीं दूसरी ओर सर्वर प्रॉब्लम ने भी परेशानी बढ़ाई हुई है। इसका असर रजिस्ट्री पर पड़ा है। चालू माह में ढाई हजार से भी कम रजिस्ट्री हुई है, जबकि पिछले माह यह आंकड़ा साढ़े चार हजार पार हो गया था। रजिस्ट्री कम होने के कारण शासन को राजस्व के रूप में होने वाली कमाई भी कम हुई है।

रजिस्ट्री का सिस्टम ऑनलाइन होने के बाद लोगों की परेशानी कम होने के बजाय हर दिन बढ़ रही है। कभी सर्वर प्रॉब्लम तो कभी एनजीडीआरएस सिस्टम में खामियों की वजह से रजिस्ट्री में दिक्कतें आ रही हैं। अपॉइंटमेंट लेने के दौरान सिस्टम में जो ऑप्शन दिए गए हैं, उनमें त्रुटि सुधार दस्तावेज अपलोड करने का ऑप्शन ही नहीं है। इसके कारण ऑनलाइन ⏭शेष पेज 13 पर

नामांतरण में भी आ रही दिक्कत

नए सिस्टम के कारण नामांतरण में भी दिक्कत आ रही है। बताया जा रहा है कि रजिस्ट्री होने के कारण तहसील के ऑनलाइन साफ्टवेयर में रजिस्ट्री की फाइल ट्रांसफर नहीं होने के कारण तहसील कार्यालयों में नामांतरण के प्रकरण अटक रहे हैं। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि यह दिक्कत सर्वर प्रॉब्लम के कारण ही होती है। फिलहाल अभी दिक्कत नहीं आ रही है।

मई की तुलना में जून में कमाई का आंकड़ा आधे से कम

रजिस्ट्री दफ्तर से मिली जानकारी के अनुसार 21 जून की स्थिति में रायपुर में लगभग 2073 रजिस्ट्री हुई है, जिससे 11 करोड़ 73 लाख 720 पंजीयन शुल्क एवं स्टाम्प ड्यूटी से 17 करोड़ 46 लाख 55 हजार 8 सौ रुपए की आय हुई है। इस तरह 29 करोड़ से अधिक की रजिस्ट्री हुई है, जबकि मई में 4587 रजिस्ट्री हुई थी। इसमें पंजीयन शुल्क से 25 करोड़ 62 लाख 52 हजार एवं स्टाम्प ड्यूटी से 38 करोड़ 69 लाख 20 हजार कुल 64 करोड़ 31 लाख से अधिक की कमाई हुई थी।

घर की बाड़ी में गांजा की खेती करने लगाए पौधे, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में अब तक गांजा की तस्करी करने व बेचने के मामले सामने आए हैं, लेकिन अब घर की बाड़ी में गांजा की खेती करने का मामला भी सामने आने लगा है। यह मामला धरसींवा क्षेत्र के ग्राम देवरी का है। इस घर का मालिक अपनी बाड़ी में ही गांजा की खेती कर रहा

था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर इस बाड़ी में छापा मारते हुए यहां से गांजा के तीन पौधे बरामद किए हैं। पुलिस ने मामले में बाड़ी के मालिक के खिलाफ नारकोटिक एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया है।

धरसींवा थाना से मिली जानकारी के अनुसार 23 जून को नारकोटिक्स सेल की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने आंदोलन लिया वापस

आरंग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़ के मिशन संचालक द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ प्रतिनिधि मंडल के साथ संघ की तीन सूत्रीय मांगो पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मुख्यालय में विस्तृत चर्चा की गई। संघ की प्रमुख मांग जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। गौरतलब है कि उक्त भुगतान के लिए 43 करोड़ 92 लाख रूपए की राशि पूर्व में ही जिलों को जारी की जा चुकी है। इसके अलावा शेष मांगों के सम्बन्ध में मुख्यालय स्तर से कमेटी बनाकर समय सीमा में परीक्षण करने के सम्बन्ध में निर्णय लिया गया है। जिसके पश्चात संघ द्वारा सहमत होते हुए हड़ताल तत्काल वापस लेने की सहमति दी गई है।

नगरीय निकायों पर बकाया बिजली बिल 789 करोड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों का बिजली बिल 789.15 करोड़ रुपए बकाया है। यह बिल मार्च की स्थिति में है। अब ऊर्जा विभाग ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से यह बिल अदा करने के लिए कहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी संयुक्त संचालकों से कहा है कि वे मार्च 2024 की स्थिति में निकायवार बकाया बिल एवं पेनाल्टी की राशि की जानकारी भिजवाएं, ताकि बिल अदा करने के लिए के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा सके। भारत सरकार द्वारा लागू की गई आरडीएएस योजना के दिशा निर्देशों के तहत शासकीय विभागों को मार्च 2022 की स्थिति में बकाया बिजली बिलों का भुगतान तीन किस्तों में तथा चालू वित्तीय वर्ष का भुगतान उसी साल में किए जाने की अनिवार्यता है। ऊर्जा विभाग ने अब बकाया राशि का भुगतान करने कहा है।

यादव महासंघ ने मनाया विश्व संगीत दिवस

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा सामाजिक भवन में रविवार को विश्व संगीत दिवस मनाया गया। इस दौरान संगीत के सुधिजन कलाकारों ने संगीत सरिता में डुबकी लगाई और श्रोता अंजलि भर-भरकर गीत गंगा का रसपान करते रहे। श्रोताओं की खूब वाहवाही और ताली बटोरी। इस मौके पर महासंघ के महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि इस वर्ष का विश्व संगीत दिवस, दिवंगत रमजान सज्जाद (रफी फेम) को बतौर श्रद्धांजलि समर्पित किया गया। ज्ञात हो कि रमजान भाई रायपुर संगीत समिति और गुलशन कुमार के टी-सिरीज एलबम से बरसों तक जुड़े रहे तथा दो दिन पूर्व 22 जून को ही उनका इंतकाल हुआ है। कार्यक्रम में उभरते सात गायक कलाकार अजय यादव, लक्ष्मण यादव, सुजीत सिंह, राजेश यादव, रविंद्र सिंह रवि, हेमंत यादव एवं वीरेंद्र यादव आदि शामिल थे।

संत कबीर प्रकटोत्सव निकाली कलश यात्रा

रायपुर। मानिकपुरी समाज की कबीर सिंहासन धाम समिति द्वारा संत कबीर प्रकटोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिवार भवन सिद्धार्थ चौक टिकरापारा से कबीर सिंहासन धाम भाग-1 बोरियाखुर्द तक धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद काठाडीह सिंहासन धाम में भजन गायन, कबीर वंदन, चौका आरती का कार्यक्रम और भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में महंत बुधारी दास तथा महंत वल्लभदास द्वारा कबीर साहेब के विचार तथा उनके लीलाओं का व्याख्यान किया गया। बोरियाखुर्द कबीरपंथ विकास समिति के सचिव ने बताया कि कार्यक्रम में राजेश हिवार, कमला हिवार, सावित्री हिवार के अलावा सदस्य प्रकाश, कुलदीप, मंजू और विकासराज, प्रीति दास, भूपेश दास, आशा दास आदि शामिल थे।

दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण की शासी निकाय की बैठक सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव तथा दत्तक ग्रहण अभिकरण की शासी निकाय की अध्यक्ष शम्मी आबिदी की अध्यक्षता में हुई।

खाद-बीज का उचित प्रबंध करें और किसानों को दें लाभ : विधायक साहू

कृषि एवं सहकारिता विभाग की बैठक में जन कल्याणकारी योजनाओं पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

जनपद पंचायत अभनपुर के सभाकक्ष में कृषि एवं सहकारिता विभाग की समीक्षा बैठक विधायक इंद्र कुमार साहू के अध्यक्षता में 24 जून को शाम चार बजे तक चली। बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए विधायक इंद्रकुमार साहू ने कहा कि बोआई पूर्व खाद बीज का उचित प्रबंध एवं प्रमाणित बीज का ज्यादा से ज्यादा किसानों के बीज प्रचार प्रसार करें, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दें, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी फील्ड में जाकर कार्य करें, सहकारिता विभाग के समीक्षा बैठक लेते हुए विधायक ने कहा कि सोसाइटी में उपभोक्ताओं को समय पर राशन वितरण किया जाए, सेल्समैन की शिकायत मिलने पर तत्काल हटाने के निर्देश दिए, मानिकचौरी, सोनपैरी,आमदी के समिति प्रबंधक को किसानों के साथ सदव्यवहार करने निर्देश दिए। विधायक इंद्र कुमार साहू ने कहा कि किसान सम्मान निधि में एक भी किसान योजना से वंचित न हो, खाता संबंधी समस्याएं में टेक्निकल सुधार कर खाते में राशि समायोजित करे, ट्रस्ट की जमीन जो रेगहा दिया जाता है, उसमें बोनस के अंतर राशि नहीं देने का शासनादेश जारी हो चुका है, किसान सम्मान निधि योजना में 1 फरवरी 2019 के बाद नया खाता धारी को इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। बैठक में कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी,कर्मचारी, वरिष्ठ कृषि अधिकारी, ग्राम सेवक एवं समिति प्रबंधक उपस्थित रहे।

गोलमाल : वन अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान से चंदन के पेड़ काटकर ले गए और डंगालों को छोड़ दिया

विस भवन के पास से करोड़ों के चंदन वृक्षों की चोरी या षड्यंत्र, मुख्यमंत्री से शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंदखुरी

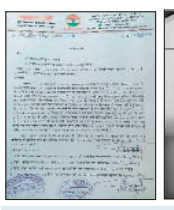

- 50 फीट की दूरी पर पुलिस चौकी, दिनभर रहती है चहल-पहल, ऐसे में चोरी पर उठ रहे सवाल
- सीएम और वन मंत्री से पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने की जांच की मांग

राजधानी रायपुर विधानसभा भवन के सामने स्थित राज्य वन अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान में चंदन के पेड़ काटने तथा उनकी तस्करी का ताजा मामला सामने आया है। इससे वन विभाग को लगभग एक करोड से अधिक की आर्थिक क्षति होने का अनुमान है। जिसको लेकर परमानंद जांगड़े पूर्व ज़िला पंचायत सदस्य ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी वन मंत्री केदार कश्यप मुख्य सचिव प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनिल कुमार साहू को शिकायत प्रेषित कर कार्यवाही का आग्रह किया है। मामला राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिषर जो विधानसभा जैसे अति संवेदन शील परिसर से महज़ 100 फुट की दूरी में लगा हुआ है। जो 24 घंटे सुरक्षा निगरानी क्षेत्र है। जहाँ बेशकीमती चंदन वृक्ष की लगभग 30 बड़े वृक्ष की अवैध कटाई का तस्करी का मामला प्रकाश में आयी है। शासन को उक्त अवैध कटाई से लगभग 1.20 करोड़ की चपत लगाई गई है। राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान जीरो पॉइंट बरूदा में

शासन ने 10 एकड़ में क़ीमती पौधों का रोपण किया है। जहाँ हजारो की संख्या में बेशकीमती चंदन पौधे का रोपण किया गया है। जो आज वृक्ष का आकार ले चुकी है । जो अवैध कटाई एवं तस्करी का भेट चढ़ गया है। तस्करों ने हरे भरे क़ीमती वृक्ष को काटा है। सवाल खड़ा होता है कि तस्कर अति संवेदन शील क्षेत्र जहां हमेशा सुरक्षा की कड़ी निगरानी होती है। वहाँ कैसे चंदन की वृक्ष की कटाई हुई ?

सवाल उठता है कि तस्करी उक्त रोपणी क्षेत्र विधान सभा परिषर जैसे अतिमहत्वपूर्ण संवेदन शील परिशर एवं विधान सभा थाना की सीमा से घीरा हुआ क्षेत्र जो पूरा कैम्पस 15-20 फुट की लोहे के एंगल एवं तार से पूरा क्षेत्र घीरा हुआ है, जहाँ विभाग का कार्यालय एवं आवासीय परिशर है। बौउजूद कैंपस से चोरी होना विभाग के संलिप्तता को लेकर बड़ा सवाल खड़ा करता है ?

सुरक्षा एवं निगरानी में वन अमला सहित विधानसभा में तैनात अमला सहित थाना परिषर महज 50 फुट की दुरी में लगी है। जहां चंदन वृक्ष की कटाई को अंजाम दिया जाता है जो अनेकों सवाल को जन्म देती है। तस्करों ने चंदन वृक्ष की अवैध कटाई को मशीन से अंजाम दिया है। एवं छोटे टहनियों को छोड़कर उनके गोले को ले गये है।

उक्त कटाई की जानकारी सार्वजनिक हो जाने से मामला प्रकाश में आ गयी, क्या यह चोरी का खेल पहले से चल रही थी ? जिसको लेकर जांगड़े ने उक्त परिशर में चंदन के पौधे के रोपण एवं वर्तमान में जीवित चंदन के वृक्ष का भौतिक सत्यापन कराये जाने का माँग किया है। एवं उक्त मामले में उच्च स्तरीय विभागीय जाँच एवं चोरी के मामले में पुलिस से जाँच कराने की माँग किया है।

रिपोर्ट दर्ज कराई है : प्रधान मुख्य वन संरक्षण

प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनिल कुमार साहू ने कहा कि विभाग इस मामले को काफ़ी गंभीरता से ले रही है। पुलिस विभाग में रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। एवं विभागीय जाँच भी कराई जा रही है। विधानसभा से सी.सी.टी .वी फ़ुटेज प्रदान करने का आग्रह किया है। जल्द ही आरोपी की पातासाजी कर कड़ी कार्यवाही किया जायेगा।

परमानंद जांगड़े पूर्व जिला पंचायत सदस्य अति संवेदन शील क्षेत्र विधानसभा परिसर थाना परिसर से लगी हुई वन अनुशंधान केंद्र के कवर्ड कैंपस से कीमती चंदन वृक्ष की अवैध कटाई एवं तस्करी का मामला सामने आई है। जिसमें लगभग दो करोड़ के चंदन के पेड़ की चोरी हुई मामला काफी संवेदन शील है। विभाग की मिलीभगत की पूर्ण आशंका है। निष्पक्ष जांच कार्यवाही कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग किया गया।

गांवों में शांति व्यवस्था कायम रखने करें निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- कलेक्टर डॉ. गौरव ने सचिवों की ली वर्चुअली बैठक
- नई न्याय संहिता के बारे में ग्रामीणों को दी गई जानकारी

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को अभनपुर ब्लॉक के ग्राम सरपंचों और पंचायत सचिवों की वर्चुअली बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि गांव में शांति कायम रहें, इसके लिए निगरानी रखी जाए। अगर कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह से शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करें तो एडीएम, तहसीलदार व थानेदार को सूचित करें। डॉ. सिंह ने कहा कि नई न्याय संहिता 1 जुलाई से लागू होगी। अनुभवी प्रोफेसर के माध्यम से ग्रामीणों को नई न्याय संहिता के संबंध में जानकारी दी जा रही है। नई संहिता को बेहतर तरीके से समझा जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप उपस्थित थे।

भाजपा करेगी मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- 27 जून से 14 जुलाई तक होंगे हर विधानसभा में कार्यक्रम

देश में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनने और नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने को लेकर भाजपा पूरे देश में मतदाता अभिनंदन कार्यक्रम करने जा रही है। इन कार्यक्रमों के लिए छत्तीसगढ़ में बनाई गई समिति के संयोजक भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव बनाए गए हैं। उन्होंने बताया 27 जून से 14 जुलाई तक हर विधानसभा में मतदाताओं का अभिनंदन कार्यक्रम रखा जाएगा।

प्रत्येक विधानसभा में 2000 से ज्यादा मतदाताओं के सम्मेलन संचालित कर उन्हें तिलक लगाकर, पटका पहनाकर, शाल श्री फल देकर सम्मानित किया जाएगा।

श्री श्रीवास्तव में बताया, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर कार्यक्रम को संचालित किया जा रहा है। इसमें विकसित भारत, भाजपा का संकल्प पत्र, मोदी की गारंटी, इन विषयों पर भी चर्चा होगी। इन कार्यों के लिए बनाई गई समिति में अशोक बजाज, भरत सिसोदिया एवं उपकार चंद्राकर सदस्य बनाए गए हैं। श्री श्रीवास्तव ने कहा, यह भाजपा के संस्कार हैं कि वह मतदाताओं को भगवान के रूप में देखती है एवं सदैव उनका धन्यवाद करती है साथ ही साथ भाजपा जनता से किए गए वादों के बारे में चर्चा भी करती है। उसका रिपोर्ट कार्ड भी देती है।

इसीलिए देश के करोड़ों मतदाताओं ने लगातार तीसरी बार एनडीए को अवसर दिया है। विपक्ष के लोगों ने अनेक प्रयास किए. यहां तक कि देश के दुश्मनों तक का सहयोग किया, सारे विरोधी एक हो गए ,लेकिन फिर भी जनता ने तीसरी बार एनडीए की सरकार को ही मौका दिया।

गांवों में जल चौपाल और जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

रायपुर क लेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के निर्देशानुसार जनपद पंचायत सीईओ राजेन्द्र पाण्डेय के नेतृत्व मे अभनपुर के विभिन्न गांवो मे जल शक्ति अभियान के तहत नारी शक्ति से जल शक्ति थीम के अंतर्गत कैच द रेन की शुरूवात की गई। इस अभियान का उद्देश्य वर्षा जल संचयन और अन्य टिकाऊ जल प्रबंधन प्रथाओं को अनुकूलित करना है। सीईओ राजेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि इस अभियान के तहत गांव -गांव मे जल चौपाल, जल जागरूकता रैली, बैनर एवं दीवाल लेखन से प्रचार-प्रसार,जल स्त्रोतो की साफ-सफाई, वृक्षारोपण एवं सोकपीट निर्माण, वर्षा जल संचित करने हेतु रिचार्ज पिट का निर्माण एवं ग्राम पंचायत के युवाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों में जल सुरक्षा की जागरूकता हेतु शपथ ग्रहण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है।

ग्रामीणों को कैच द रैन की शपथ दिलाई

तिल्दा नेवरा। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने निर्देश पर 'नारी शक्ति से जल शक्ति' अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत ताराशीव, जनपद पंचायत तिल्दा में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री प्रकाश टंडन द्वारा ग्रामीण जनों को "कैच द रैन 2024" की शपथ दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि जल शक्ति अभियान "नारी शक्ति से जल शक्ति" के क्रियान्वयन हेतु प्रथम चरण में जिले की 101 जल की समस्या वाली ग्राम पंचायतों का चिन्हांकन कर अभियान के प्रभावी कियान्वयन हेतु विभिन्न विभागों के तकनीकी अमलो को प्रभारी नियुक्त किये गये है। उक्त पंचायतों में 24 जून 2024 से जल शक्ति अभियान "नारी शक्ति से जल शक्ति" के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में, ग्राम पंचायत के युवाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों में जल सुरक्षा की जागरूकता हेतु शपथ ली गई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणजनों को जल की महत्वतता के संबंध में अवगत कराते हुए जल का उचित उपयोग करने के संबंध में जागरूकता फेलाने तथा जल को सरंक्षित करने हेतु प्रेरित करने का प्रयास जिला पशासन द्वारा किया जा रहा है।

सिवनी में जल संरक्षण का ग्रामीणों ने ली शपथ

आरंग। ग्राम सिवनी में जल संरक्षण हेतु जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने शपथ लिया। जिसमें सरपंच पुरुषोत्तम धीवर, सचिव रामचरण धीवर, स्मिता सेन, विजय भारती, दिलीप कुमार धीवर, बिसंभर यादव, हरिशंकर पाल, तृप्ति वर्मा, माया वर्मा, माधुरी, मनीषा ध्रुरव, गायत्री बंजारे, अन्नपूर्णा ध्रुरव एवं महिला समूह एवं ग्रामवासी बहुत संख्या में उपस्थित थे।

हर प्लांट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक, बारिश में नहीं होगी परेशानी

मड़वा पॉवर प्लांट में भी इस बार मानसून के लिए भरपूर कोयला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मानसून में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के प्लांट में मड़वा में आमतौर पर कोयले के स्टॉक को लेकर परेशानी होती थी, लेकिन इस बार मानसून के लिए मड़वा में 3.30 लाख टन कोयले का स्टॉक है। यह स्टॉक 20 दिनों से ज्यादा का है। इसी के साथ कोरबा वेस्ट और श्यामाप्रसाद मुखर्जी तापगृह में भी 15-15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। मानसून में अगर भारी बारिश के कारण कोयले की आपूर्ति बाधित होती है तो भी बिजली उत्पादन में परेशानी नहीं होगी। मानसून के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी हमेशा से ही पहले से कोयले का स्टॉक करने का काम करती है। नियम से कम से कम 15 दिनों का स्टॉक रहना चाहिए। अब तक मानसून से पहले कंपनी सभी प्लांट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक करती है, लेकिन मड़वा में स्थान की कमी के चलते ऐसा नहीं हो पाता था। ऐसे में मड़वा में करीब एक सप्ताह के आसपास का ही स्टॉक रहता था। मानसून में भारी बारिश होने पर मड़वा के प्लांट के प्रभावित होने का हमेशा खतरा रहता था। इसके लिए लगातार तैयारी की जा रही थी। अब वहां पर पर्याप्त स्टाक रखने का स्थान होने के कारण इस बार सबसे ज्यादा कोयले का स्टॉक मड़वा में है। इस प्लांट में 500 मेगावाट के दो यूनिट है। इन में रोज 16 हजार टन कोयला लगता है। ऐसे में इस समय इस प्लांट में 3.30 लाख टन कोयले का स्टॉक है।

दूसरे प्लांटों में भी परेशानी नहीं

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा वेस्ट के प्लांट में जहां कन्वेयर बेल्ट से 14 किलोमीटर दूर से कोयला आता है, वहीं श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्लांट के लिए कोयला ट्रेन से आता है। कोरबा वेस्ट में 210 मेगावाट के चार और एक पांच सौ मेगावाट का प्लांट है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप गृह में 250 मेगावाट के दो प्लांट हैं। इन दोनों में भी 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। इनमें स्टॉक रखने का पर्याप्त स्थान होने के कारण कभी परेशानी नहीं होती।

पर्याप्त स्टॉक

मानसून के लिए सभी प्लांट में पर्याप्त कोयले का स्टॉक है। आमतौर पर मड़वा को लेकर परेशानी होती थी, लेकिन यहां पर 20 दिनों का स्टॉक है।

\- संजीव कुमार कटियार
एमडी, उत्पादन कंपनी

न्यायालय तहसीलदार, तिल्दा-नेवरा
जिला - रायपुर (छ.ग.)
रा.मा.क्रमांक 202403112900065 अ / 6
वर्ष 2023-24
ग्राम - कुंदरू, प.ह.नं. 11
// राजस्व मामले की नोटिस //
प्रति,
खेलावन पिता मनराखन, निवासी-कुंदरू, तहसील-तिल्दानेवरा, जिला - रायपुर (छ.ग.)
एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक राहुल सिंह कुशवाह पिता देवी सिंह कुशवाह, निवासी- मंदिरहसौद निवासी कुंदरू द्वारा ग्राम- कुंदरू, प.ह.नं. 11 रा.नि.मं.- तिल्दा तहसील तिल्दा–नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित आपके नाम से दर्ज भूमि खसरा नंबर 249/2 का भाग रकबा 0.121 हे. को आवेदक के पिता देवीसिंह कुशवाहा पिता पूरनसिंह कुशवाहा द्वारा पंजीकृत बैनामा दिनांक 31.10.2022 को क्रय किया गया है, क्रेता देवीसिंह कुशवाहा की मृत्यु दिनांक 31.10.2022 को हो जाने के कारण उक्त भूमि पर क्रेता देवीसिंह कुशवाहा के वारिसानों राहुल सिंह कुशवाह, सूर्यप्रताप सिंह कुशवाह पिता स्व. देवी सिंह कुशवाह, नीना सिंह कुशवाह पति स्व. देवी सिंह कुशवाह का नाम से दर्ज किए जाने आवेदन पत्र पेश किया है।
इस संबंध में दिनांक 28.06.2024 को उपस्थित होकर अपना जवाब पेश करे, अन्यथा प्रकरण में विधिवत अग्रिम कार्यवाही की जावेगी ।
मुहर
तहसीलदार
तिल्दा-नेवरा
जिला - रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)
// आम-सूचना //
दिनांक 14/06/2024
एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पंकज बजाज पिता आनंद बजाज निवासी फाफाडीह रायपुर की ग्राम निमोरा प.ह.नं. 25 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 158/18 रकबा 0.1940 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/अति. तह/2024/ आदेश दिनांक 10.05.2024 के परिपालन में दिनांक 05/07/2024 को समय 11.00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्थ को कोई दावा आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 25 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।
अतः सूचना जानें।
राजस्व निरीक्षक
रायपुर-19 (धनेली)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना
दिनांक 14/06/2024
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संगीता बजाज पति गोपीचंद बजाज निवासी फाफाडीह रायपुर की ग्राम निमोरा प.ह.नं. 25 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 158/19 रकबा 0.2110 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक...क/वाचक/अति. तह./2024 आदेश दिनांक 10/05/24 के परिपालन में दिनांक 05/07/24 को समय 11:00 बजे पश्चात किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो, वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नंबर 25 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।
अतः सूचना जानें।
राजस्व निरीक्षक
रायपुर-19 (धनेली)

खबर संक्षेप

नगरीय निकायों पर बकाया बिजली बिल 789 करोड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों का बिजली बिल 789.15 करोड़ रुपए बकाया है। यह बिल मार्च की स्थिति में है। अब ऊर्जा विभाग ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से यह बिल अदा करने के लिए कहा है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी संयुक्त संचालकों से कहा है कि वे मार्च 2024 की स्थिति में निकायवार बकाया बिल एवं पेनाल्टी की राशि की जानकारी भिजवाएं, ताकि बिल अदा करने के लिए के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा सके। भारत सरकार द्वारा लागू की गई आरडीएएस योजना के दिशा निर्देशों के तहत शासकीय विभागों को मार्च 2022 की स्थिति में बकाया बिजली बिलों का भुगतान तीन किस्तों में तथा चालू वित्तीय वर्ष का भुगतान उसी साल में किए जाने की अनिवार्यता है। ऊर्जा विभाग ने अब बकाया राशि का भुगतान करने कहा है।

यादव महासंघ ने मनाया विश्व संगीत दिवस

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा सामाजिक भवन में रविवार को विश्व संगीत दिवस मनाया गया। इस दौरान संगीत के सुधिजन कलाकारों ने संगीत सरिता में डुबकी लगाई और श्रोता अंजलि भर-भरकर गीत गंगा का रसपान करते रहे। श्रोताओं की खूब वाहवाही और ताली बटोरी। इस मौके पर महासंघ के महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि इस वर्ष का विश्व संगीत दिवस, दिवंगत रमजान सज्जाद (रफी फेम) को बतौर श्रद्धांजलि समर्पित किया गया। ज्ञात हो कि रमजान भाई रायपुर संगीत समिति और गुलशन कुमार के टी-सिरीज एलबम से बरसों तक जुड़े रहे तथा दो दिन पूर्व 22 जून को ही उनका इंतकाल हुआ है। कार्यक्रम में उभरते सात गायक कलाकार अजय यादव, लक्ष्मण यादव, सुजीत सिंह, राजेश यादव, रविंद्र सिंह रवि, हेमंत यादव एवं वीरेंद्र यादव आदि शामिल थे।

संत कबीर प्रकटोत्सव निकाली कलश यात्रा

रायपुर। मानिकपुरी समाज की कबीर सिंहासन धाम समिति द्वारा संत कबीर प्रकटोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिवार भवन सिद्धार्थ चौक टिकरापारा से कबीर सिंहासन धाम भाग-1 बोरियाखुर्द तक धूमधाम से कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद काठाडीह सिंहासन धाम में भजन गायन, कबीर वंदन, चौका आरती का कार्यक्रम और भोजन प्रसाद का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में महंत बुधारी दास तथा महंत वल्लभदास द्वारा कबीर साहेब के विचार तथा उनके लीलाओं का व्याख्यान किया गया। बोरियाखुर्द कबीरपंथ विकास समिति के सचिव ने बताया कि कार्यक्रम में राजेश हिवार, कमला हिवार, सावित्री हिवार के अलावा सदस्य प्रकाश, कुलदीप, मंजू और विकासराज, प्रीति दास, भूपेश दास, आशा दास आदि शामिल थे।

दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण की बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य दत्तक ग्रहण संसाधन अभिकरण की शासी निकाय की बैठक सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव तथा दत्तक ग्रहण अभिकरण की शासी निकाय की अध्यक्ष शम्मी आबिदी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में वर्ष 2023-24 तथा 2024-25 में दत्तक ग्रहण प्रकरणों की समीक्षा की गई।

रिकार्ड में 52 हजार मीट्रिक टन धान सोसाइटियों में, जांच में मिला तीन हजार, होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पिछले खरीफ सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान 149 लाख मीट्रिक में से करीब 52 हजार मीट्रिक टन धान सोसाइटियों में जमा है। यह तथ्य खाद्य विभाग की वेबसाइट का रिकार्ड बता रहा है, लेकिन सोसाइटियों की जांच करने के बाद ये बात सामने आ रही है कि सोसाइटियों में केवल तीन हजार मीट्रिक टन धान बचा है। बड़ा सवाल ये है कि यह धान कहां गया? इस संबंध में मार्कफेड के एमडी रमेश शर्मा ने कहा है कि सोसाइटियों से पूछा जाएगा कि ये धान कहां गया। आंकड़ों का मिलान कर पूरी जांच की जाएगी। राज्य सरकार ने खरीफ सीजन 2023-24 में नवंबर 2023 से 4 फरवरी के बीच प्रदेश के सभी जिलों में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी की थी। पूरे सीजन में 149 लाख मीट्रिक टन धान की रिकार्ड खरीदी की गई थी। धान खरीदी के साथ ही मिलरों को कस्टम मिलिंग के लिए सोसाइटियों से धान दिया जा रहा था, लेकिन इसके बाद 24 जून की स्थिति में रिकार्ड के मुताबिक सोसाइटियों (उपार्जन केंद्रो) में बाकी धान की मात्रा 52 हजार 402 मीट्रिक टन दिख रही है। मोटे तौर पर देखा जाए तो ये दिखता है कि सोसाइटियों से धान का उठाव (परिवहन) नहीं हो सका है।

अलग खबर

25 जिलों की सोसाइटियों में बाकी था धान, कहां गया, होगी पूछताछ

सोसाइटियों में बचा है मात्र 3 हजार टन

सोसाइटियों में जब बाकी बचे धान की मात्रा की जांच की गई तो पाया गया कि मात्र 3 हजार मीट्रिक टन धान ही बाकी है। इस बात पुष्टि मार्कफेड के एमडी रमेश शर्मा ने की है। उन्होंने कहा है कि सोसाइटियों से पूछा जाएगा कि उनके पास से धान कहां गया, ये धान सूखत के कारण वजन कम होने से कम हो गया या कोई और कारण हैं। उन्होंने कहा कि जो बाकी बचा धान है, उसे तीन दिनों में उठा लिया जाएगा। इसके बाद डाटा मिलान करेंगे। सोसाइटियों से जानकारी लेंगे।

इन जिलों में बाकी दिख रहा है धान

सरकारी वेबसाईट के रिकार्ड के मुताबिक इन जिलों की सोसाइटियों (धान उपार्जन केंद्रो) में धान की बची मात्रा दिख रही है। इनमें बस्तर, बीजापुर,कांकेर, कोंडागांव, सुकमा, बिलासपुर, मुंगेली, रायगढ़, सक्ती, सारंगढ़, बिलाईगढ़, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-चौकी, बलौदाबाजार, धमतरी, गरियाबंद, महासमुंद, बलरामपुर, जशपुर, कोरिया, सरगुजा, शामिल है। हालांकि कई जिलों में धान का पूरा उठाव होने के बाद वहां बाकी धान की मात्रा शून्य दिख रही है।

एमआईसी बैठक में परिसीमन पर चर्चा

महापौर ढेबर ने कहा- मापदंड के अनुसार होगा तो समर्थन देंगे, नहीं तो जाएंगे कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मेयर इन काउंसिल की बैठक में मंगलवार को निगम क्षेत्र में प्रस्तावित वार्डों के परिसीमन पर चर्चा हुई। इसमें एमआईसी सदस्यों ने कहा कि परिसीमन मापदंड के अनुसार होगा, तो इसे समर्थन देंगे, नहीं तो इसका विरोध करेंगे। महापौर एजाज ढेबर ने कहा कि वर्ष 2019 में 2011 की जनसंख्या के आधार पर वार्डों का परिसीमन हुआ था। इस बार भी इसी आधार पर परिसीमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर सही मापदंड से परिसीमन किया जाएगा, तो एमआईसी भी इसका समर्थन करेगी, लेकिन अगर मापदंड से नहीं हुआ, तो इसके विरोध में कोर्ट भी जाएंगे।

निगम मुख्यालय में मंगलवार को महापौर एजाज ढेबर की अध्यक्षता में एमआईसी की बैठक हुई। इस बैठक में 5 एजेंडे लाए गए थे, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके अलावा बैठक में नगरीय निकाय चुनाव से पहले निगम क्षेत्र के वार्डों में होने वाले परिसीमन को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में एमआईसी सदस्यों के बीच सहमति बनी कि परिसीमन को इसी शर्त पर समर्थन देंगे कि सभी वार्डों की जनसंख्या में ज्यादा अंतर न हो। यानी अगर एक वार्ड की जनसंख्या 14 हजार है, तो दूसरे वार्ड की जनसंख्या भी उसके जितनी या उसके करीब हो। यानी वार्डों की जनसंख्या का डिफरेंस 5 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। महापौर ने परिसीमन को लेकर मापदंड सार्वजनिक नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि परिसीमन किन मापदंडों के अनुसार कराया गया है इसकी जानकारी किसी भी पार्षद को नहीं है। ऐसे में अगर परिसीमन में मापदंड का पालन नहीं किया गया, तो इसके विरोध में हम कोर्ट भी जाएंगे। एमआईसी सदस्य सुरेश चन्नावार ने कहा कि परिसीमन को लेकर हमारा कोई विरोध नहीं है। परिसीमन नियम के अनुसार होना चाहिए। ज्ञानेश शर्मा ने भी कहा कि परिसीमन होना चाहिए यह वार्ड की जनता के हित में है। परिसीमन मापदंड के अनुसार होना चाहिए।

पूर्व परिसीमन में कुछ त्रुटियां हुई हैं, जनता के हित में सुधारा जाना जरूरी

इधर नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे का इस मामले में कहना है कि पूर्व में हुए परिसीमन के दौरान किसी-किसी वार्ड की सीमा को लेकर त्रुटियां हुई हैं। इसके कारण उन वार्डों में विकास कार्य कराने में पार्षदों को भी कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके कारण उस वार्ड की जनता को परेशानी होती है। नए सिरे से परिसीमन होने से पूर्व में हुई त्रुटियां खत्म हो जाएंगी। इससे पार्षद भी अपने-अपने वार्ड में विकास कार्य करा पाएंगे, जिससे जनता की समस्या दूर होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी पार्षद चुनाव में हमेशा जीते ऐसा मुमकिन नहीं है, क्योंकि इसका फैसला जनता करती है। परिसीमन जनता के हित व भविष्य को देखते हुए किया जाता है, इसलिए इसका विरोध करना गलत होगा।

इन एजेंडों पर लगी मुहर

- एमआईसी में निगम वित्त विभाग का प्रस्ताव लाया गया, जिसमें 11 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यय राशि के रूप में 7 लाख 88 हजार 706 रुपये भुगतान करने की स्वीकृति दी गई।
- जोन-10 क्षेत्र के रानी दुर्गावती वार्ड नंबर 50 के अंतर्गत राम मंदिर के पास नाला निर्माण कार्य के लिए 1 करोड़ 98 लाख 76 हजार रुपए प्रस्ताव को मिली मंजूरी।
- एमआईसी में वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक मुक्तानंद चंद्राकर के संविदा नियुक्ति संबंधी प्रस्ताव लाया गया था। वे 30 जून को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। निगम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से लाए गए प्रस्ताव पर एमआईसी ने मुहर लगाई है। हालांकि इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए शासन को भेजा जाएगा।
- एमआईसी में कांजी हॉउस स्थित भूतल दुकान क्रमांक 6 के लीज नवीनीकरण प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। जोन 4 राजस्व विभाग की ओर से प्रस्ताव लाया गया था।

आश्वासन के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ की हड़ताल स्थगित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

योग दिवस से प्रारंभ हुई सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की हड़ताल चौथे दिन स्थगित कर दी गई है। टीम बनाकर उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया है, जिसके बाद उन्होंने काम पर लौटने का फैसला लिया है। सीएचओ द्वारा लंबित मानदेय और सही तिथि पर भुगतान सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर 21 जून से हड़ताल पर थे। जिला मुख्यालय स्तर पर उनके द्वारा धरना प्रदर्शन के माध्यम से अपना विरोध जताया जा रहा था। सीएचओ की इस हड़ताल को प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ द्वारा भी समर्थन दिया गया था। सोमवार को उनकी मांगों पर एनएचएम के अधिकारियों से चर्चा हुई और उन्होंने हड़ताल स्थगित करने की घोषणा कर दी। सीएचओ संगठन के संयोजक प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि अधिकारियों ने कहा है कि कार्य आधारित मानदेय समस्त जिला में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिसके समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों का माह 2024 तक पूर्ण भुगतान किया जायेगा।

सिंधी समाज के मिट्री माइट्री डॉट कॉम का शुभारंभ कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा सिंधी समाज में युवक-युवतियों के रिश्ते में आ रही परेशानियों को देखते हुए समाज की सुविधा के लिए मिट्री माइट्री डॉट कॉम पोर्टल का शुभारंभ 26 जून को किया जाएगा। यह शुभारंभ शदाणी दरबार के संत डॉ. युधिष्ठिर लाल करेंगे। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष महेश दरयानी और सुभाष बजाज ने बताया कि इस आयोजन के अलावा छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की बहुप्रतीक्षित कार्यकारिणी की घोषणा भी 26 जून को संतों की उपस्थिति में की जाएगी। इसी दौरान संयोजक बलराम आहूजा व तनेश आहूजा ने बताया कि समाज में विगत कई वर्षों से युवक-युवतियों के रिश्ते में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह समस्या लगभग पूरे भारतवर्ष में सिंधी समाज के युवक-युवतियों के लिए निरंतर महसूस की जा रही है। इन सभी समस्याओं के निराकरण के लिए तथा रिश्ते सुचारू रूप से तय हों।

समाज में शांति के साथ विकास के लिए कृत-संकल्पित है छत्तीसगढ़ सरकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार हर समाज में शांति एवं सद्भावना बनाए रखने के साथ विकास के लिए कृत-संकल्पित है। सरकार के इस कार्य को अंजाम देने में शांति और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले सतनामी समाज का भी पूर्ण सहयोग है। ये बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को राजधानी स्थित अपने निवास कार्यालय में राजागुरु धर्मगुरु गुरु बालदास साहेब के नेतृत्व में आए सतनामी समाज के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कही। इस अवसर पर आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब सहित प्रदेशभर से आए सतनामी समाज के राजमहंत भी उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि हाल ही में बलौदाबाजार जिले की घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसमें दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने समाज के लोगों को भरोसा दिलाया कि शासन-प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई पूर्णतः न्यायसंगत होगी। इस अवसर पर सतनामी समाज से राजमाता गुरुमाता प्रवीण माताजी, गुरु सोमेश बाबा, गुरु सौरभ साहेब सहित राजमहंत जैत कुमार सतनामी, राजमहंत अनूप सतनामी, राजमहंत कामता प्रसाद, राजमहंत कुंजन सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

अब तक जारी नहीं हुई विस सत्र की अधिसूचना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की अधिसूचना अब तक जारी नहीं पाई है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने मानसून सत्र को लेकर प्रस्ताव संसदीय कार्य विभाग को भेजा था। प्रस्ताव पर अब तक स्वीकृति नहीं मिलने के कारण विधानसभा सत्र की अधिसूचना जारी नहीं हो पाई है।

13 जून को विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में मीडिया से कहा था 22 जुलाई से मानसून सत्र आहूत किया जाएगा। सत्र के लिए अधिसूचना एक माह पूर्व जारी की जाती है। अधिसूचना जारी नहीं होने को लेकर कहा जा रहा है कि कहीं तारीखों में परिवर्तन तो नहीं हो रहा। नियमानुसार विधानसभा सत्र की अधिसूचना जारी होने के बाद लगभग 20 दिन सवाल लगाने के लिए सदस्यों को समय दिया जाता है। विधानसभा सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि अभी तक सचिवालय को कोई सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने के बाद अधिसूचना जारी होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। भाजपा सरकार के शपथ लेने के बाद अब तक दो सत्र हो चुका है। मार्च में बजट सत्र के बाद मानसून सत्र की तैयारी है। राज्य सरकार के छह माह का कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार के कामकाज और अब तक हुई घटनाओं को लेकर विपक्ष पूरी नजर बनाए हुए है। आने वाले दिनों में अधिसूचना जारी होने के बाद विधायक अपने सवाल लगाने शुरू करेंगे।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग में मर्ज होगा नवाचार आयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य सरकार नवाचार आयोग को नए विभाग सुशासन एवं अभिसरण विभाग में मर्ज करने जा रही है। वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है, जहां से मंजूरी मिलते ही आयोग को बंद कर दिया जाएगा। कांग्रेस सरकार ने फरवरी में इसके गठन की अधिसूचना जारी की थी। कांग्रेस सरकार के बदलते ही जनवरी में विवेक ढांड ने इस्तीफा दे दिया था, इसके बाद से आयोग में काम ठप हो गया था। सचिव आरके सिंह का कार्यकाल भी 21 जून को खत्म हो गया है।

नवाचार आयोग के लिए कांग्रेस सरकार के समय अलग से बजट जारी किया गया था। बजट में राज्य नवाचार आयोग के लिए 1.25 करोड़ रुपये बजट प्रावधान किया गया था। आदिम जाति कल्याण आयोग परिसर में

इसका कार्यालय था। अध्यक्ष और सचिव के कमरे को तैयार करने लाखों रुपये खर्च हुए थे। मार्च 2024 तक 90 लाख 19 हजार रुपये खर्च हुए हैं। 2024-25 में भी आयोग को 1.25 करोड़ के बजट का आवंटन हुआ था। आयोग बनने के बाद इसकी कई बैठकें हुईं। आयोग ने सात सुझाव सरकार को भेजे थे। इनमें आयोग ने खुद को भी बंद करने का सुझाव भी दिया था। राज्य शासन ने नवाचार को नए विभाग सुशासन और अभिसरण में शामिल करते हुए जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन, संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए पृथक रूप से सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन मार्च में किया।

सुशासन एवं अभिसरण विभाग का कार्य

भाजपा सरकार ने नए विभाग के रूप छत्तीसगढ़ सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया है। विभाग में प्रशासन के सभी स्तरों पर डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देते हुए इसके माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। विभाग नये विचारों एवं क्रिया विधि के संबंध में शोध और प्रशासनिक सुधार के कार्य भी करेगा। विभाग से सुशासन फेलोशिप और मुख्यमंत्री लोक प्रशासन में उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदाय किया जाएगा। विभाग के अंतर्गत नीति विश्लेषण शिक्षण संस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग को इसमें रखा गया है।

भाजपा सरकार में 10 साल से अघोषित आपातकाल चल रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, आपातकाल का विरोध करने वाली भाजपा की सरकार ने 10 साल से देश में अ घो षि त आ पा त का ल लगा रखा है। संविधान खतरे में है, इसे बदलने की बात कही जा रही है। संवैधानिक संस्थाएं स्वतंत्र होकर काम नहीं कर पा रही हैं। लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है, आम जनता पर टैक्स लादा जा रहा है। बढ़ती महंगाई बेरोजगारी से हर वर्ग हताश और परेशान है।

■ संविधान खतरे में है, इसे बदलने की बात कही जा रही : बैज

उन्होंने कहा, जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। व्यापारी वर्ग डरा हुआ है, देश की संपत्तियां बिक रही हैं, यह असल मायने में आपातकाल है। 10 साल से देश में आपातकाल का दो कालखण्ड चल रहा था। अब तीसरा कालखण्ड शुरू हुआ है। आपातकाल का विरोध करने वाले संघ, भाजपा एवं अन्य दल के नेता अब खुद अपनी सरकार में खुलकर बोलने से डर रहे हैं। जो लोकतंत्र के सेनानी खुद को बताते थे, वह छिपे हुए बैठे हैं, सिर्फ पेंशन लेने के लिए सामने आते हैं। देश में लोकतंत्र के अधिकारों का उपयोग करने से रोका जाता है, किसान नौजवान आंदोलन करें, तो उन्हें देशद्रोही ठहराया जाता है। विपक्ष को डराया धमकाया जाता है। सदन से लेकर सड़क तक जनता के सवाल उठाने वालों की आवाज को दबाने सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग किया जाता है। देश के संवैधानिक इतिहास में जितने अलोकतांत्रिक फैसले मोदी राज में हुए, उतने आज तक कभी नहीं हुए। असलियत यही है कि भाजपा और आरएसएस का मूल चरित्र ही लोकतंत्र विरोधी है।

हर प्लांट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक, बारिश में नहीं होगी परेशानी

मड़वा पॉवर प्लांट में भी इस बार मानसून के लिए भरपूर कोयला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मानसून में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के प्लांट में मड़वा में आमतौर पर कोयले के स्टॉक को लेकर परेशानी होती थी, लेकिन इस बार मानसून के लिए मड़वा में 3.30 लाख टन कोयले का स्टॉक है। यह स्टॉक 20 दिनों से ज्यादा का है। इसी के साथ कोरबा वेस्ट और श्यामाप्रसाद मुखर्जी तापगृह में भी 15-15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। मानसून में अगर भारी बारिश के कारण कोयले की आपूर्ति बाधित होती है तो भी बिजली उत्पादन में परेशानी नहीं होगी। मानसून

के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर उत्पादन कंपनी हमेशा से ही पहले से कोयले का स्टॉक करने का काम करती है। नियम से कम से कम 15 दिनों का स्टॉक रहना चाहिए। अब तक मानसून से पहले कंपनी सभी प्लांट में 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक करती है, लेकिन मड़वा में स्थान की कमी के चलते ऐसा नहीं हो पाता था। ऐसे में मड़वा में करीब एक सप्ताह के आसपास का ही स्टॉक रहता था। मानसून में भारी बारिश होने पर मड़वा के प्लांट के प्रभावित होने का हमेशा खतरा रहता था। इसके लिए लगातार तैयारी की जा रही थी। अब वहां पर पर्याप्त स्टाक रखने का स्थान होने के कारण इस बार सबसे ज्यादा कोयले का स्टॉक मड़वा में है। इस प्लांट में 500 मेगावाट के दो यूनिट है। इन में रोज 16 हजार टन कोयला लगता है। ऐसे में इस समय इस प्लांट में 3.30 लाख टन कोयले का स्टॉक है।

दूसरे प्लांटों में भी परेशानी नहीं

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन कंपनी के कोरबा वेस्ट के प्लांट में जहां कन्वेयर बेल्ट से 14 किलोमीटर दूर से कोयला आता है, वहीं श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्लांट के लिए कोयला ट्रेन से आता है। कोरबा वेस्ट में 210 मेगावाट के चार और एक पांच सौ मेगावाट का प्लांट है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप गृह में 250 मेगावाट के दो प्लांट हैं। इन दोनों में भी 15 दिनों से ज्यादा का स्टॉक है। इनमें स्टॉक रखने का पर्याप्त स्थान होने के कारण कभी परेशानी नहीं होती।

पर्याप्त स्टॉक

मानसून के लिए सभी प्लांट में पर्याप्त कोयले का स्टॉक है। आमतौर पर मड़वा को लेकर परेशानी होती थी, लेकिन यहां पर 20 दिनों का स्टॉक है।

- संजीव कुमार कटियार
एमडी, उत्पादन कंपनी

खबर संक्षेप

डिप्टी सीएम आज लेंगे समीक्षा बैठक

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव 25 जून को अपने रायगढ़ प्रवास के दौरान लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी और नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा करेंगे। वे शहर में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण भी करेंगे। वे मंगलवार को सुबह साढ़े नौ बजे रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा रायगढ़ के लिए रवाना होंगे। दोपहर 1 बजे रायगढ़ पहुंचेंगे। वे दोपहर 2 बजे रायगढ़ कलेक्टोरेट में लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

मासूम यशिका ने गाया भजन, मिली सराहना

रायपुर। कोपल संस्था द्वारा पुरानी बस्ती स्थित छत्तीसगढ़ी अग्रवाल भवन में रविवार को यश आरके म्यूजिकल की प्रथम प्रस्तुति दी गई। यह कार्यक्रम शाम 7 से रात्रि 11 बजे तक जारी रहा। इस कार्यक्रम की शुरुआत 5 वर्षीय यशिका परमार ने मेरे झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, राम आएंगे, गीत से किया। इसके बाद सभी श्रोताओं ने उन्हें खूब आशीर्वाद दिया और बेबी यशिका को भविष्य की सुपरस्टार भी कहा। इसी दौरान मुख्य अतिथि संस्था के संस्थापक वेदप्रकाश दास ने बताया कि कार्यक्रम में सभी सिंगर्स ने एक से एक बेहतरीन गानों की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में कलाकार कैलाश छाबड़ा, गोल्डन साहू, कृष्णा, राहुल परमार, दिलीप मोहंती, अंजली गोयल, संजय शर्मा, कमलेश सिन्हा, माही शर्मा, सैंडी, विजय निहाल, ट्विंकल परमार, बसंत दीप, हरि ठाकुर, लतीफ कुरैशी आदि सिंगर्स शामिल थे।

निधन

राजेंद्र यदु

रायपुर। वीर सावरकर नगर निवासी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय सदस्य राजेंद्र यदु (58) का 24 जून को निधन हो गया। वे डॉ. अक्षत कुदेशिया और अभिजीत यदु के पिता थे।

रेलवे का 'वॉर रूम' 10 मिनट में यात्रियों की समस्या करेगा दूर, मदद करने 24 घंटे प्रतिनिधि तैनात

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेन में सफर के दौरान रेलवे से शिकायत करने पर अब 10 मिनट के भीतर समस्या जानकर यात्रियों तक तत्काल मदद पहुंचाई जाएगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की तरफ से यात्रियों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने के लिए रायपुर, बिलासपुर और नागपुर मंडल में वॉर रूम बनाया गया है। इस वॉर रूम में रेलवे ने 100 से अधिक लोगों को तैनात किया है, जो 24 घंटे अलग-अलग शिफ्ट में यात्रियों की समस्या सुनते हैं और निराकरण कर उन्हें अपडेट भी कर रहे हैं। इसी के साथ वॉर रूम की मदद से यात्रियों की समस्याओं पर रिस्पॉन्स करने की समय सीमा को 40 से 10 से 15 मिनट तक ला दिया गया है, जिससे चलती ट्रेन में सफर करने वाले मुसाफिरों की तमाम समस्याओं को जल्द हल किया जा रहा है।

अलग खबर

वॉर रूम में हर दिन 100 से अधिक शिकायतों का निराकरण

वॉर रूम में शिकायत पर इस तरह होता है काम

वॉर रूम में यात्रियों की समस्याओं से जुड़ी जानकारी हासिल करने के साथ ही उसके समाधान के विवरण को दर्ज किया जाता है। वॉर रूम में आम तौर पर मुख्य रूप से सुरक्षा, समय पालनता, पानी, मेडिकल हेल्प, एसी, पंखे, लाइट से जुड़ी समस्याएं, सफाई, पार्सल, टिकटिंग, यात्री सुविधाएं और अन्य विविध मुद्दों से जुड़ी हुई यात्री शिकायतें मिलती हैं। यात्रियों की तरफ से की जाने वाली शिकायतें एक या एक से अधिक विभाग से जुड़ी रहती हैं, जिसके समाधान के लिए इस वॉर रूम में रेलवे के इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, वाणिज्यिक, मेकैनिकल, ऑपरेटिंग और वाणिज्य समेत सभी संबंधित विभागों के एक-एक प्रतिनिधि एक ही स्थान पर मौजूद रहते हैं। इसके अलावा आरपीएफ के प्रतिनिधि भी इस वॉर रूम में रहते हैं, जिससे मुसाफिरों की शिकायतों का निपटान आसानी से एक ही स्थान से कम समय में कर दिया जाता है।

24 घंटे समस्याओं का निस्तारण

रेलवे लगातार यात्रियों की समस्याओं के निराकरण के लिए पहल कर रहा है। इसी कड़ी में यात्रियों की शिकायत के लिए बने नंबर 139 और रेल मदद ऐप के जरिये जो शिकायत मिलती है, उसकी निगरानी और निराकरण के लिए तीन मंडल और जोन में वॉर रूम तैयार किया गया है। यहां रेलवे कर्मचारी 24 घंटे बैठकर यात्रियों की तरफ से आने वाली समस्याओं का निस्तारण कर रहे हैं।

- विकास कश्यप, सीपीआरओ, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

99.94 प्रतिशत समस्याओं का निस्तारण

वॉर रूम में 24 घंटे रेलवे के सभी विभागों से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहते हैं। सभी विभागों के लोगों के मौजूद रहने से शिकायतों का तेजी से समाधान हो जाता है। इस तरह के वॉर रूम की स्थापना देश के अलग-अलग हिस्सों में इस साल की गयी थी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे लगातार फर्स्ट रिस्पॉन्स पर काम कर रहा है। इसी के साथ यात्रियों की समस्याओं का समाधान करने के समय में भी कमी आ रही है। यात्रियों की लगभग 100 प्रतिशत समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 तक रेल मदद एप पर प्राप्त रेल यात्रियों के लगभग 62777 समस्याओं व शिकायतों का शत-प्रतिशत त्वरित समाधान निदान किया किया गया।

24 घंटे पानी देने मेन लाइन से कनेक्टिविटी व सर्विस लाइन के गड्ढे जानलेवा, सुरक्षा के लिए इंतजाम नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर की सड़कें ही नहीं, आबादी के बीच चौराहे भी जानलेवा गड्ढों से मुक्त होने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक प्रोजेक्ट खत्म होता है, तो दूसरा रनिंग स्थिति में है। बरसात के मौसम में जगह-जगह मेन लाइन को कनेक्ट करने के लिए की गई खोदाई भी जानलेवा है। इस तरह कि स्थिति इसलिए भी बन रही है, क्योंकि एजेंसी कर्मी मुख्य मार्गों के पास गड्ढा खोदने के बाद सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम भी नहीं करवा रहे हैं। वहीं सर्विस लाइन बिछाने के लिए सड़कों की खोदाई से भी अव्यवस्था की स्थिति है।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के विभिन्न मार्गों पर जगह-जगह गड्ढे खोदने की प्रक्रिया एजेंसी कर्मियों द्वारा की जा रही है। प्रोजेक्ट की पड़ताल में पता चला कि 24 घंटे सातों दिन पानी देने की बहुआयामी योजना को आकार देने की जिम्मेदारी स्मार्ट सिटी निभा रही है। इसके लिए जिस एजेंसी को काम दिया है, उनका तकनीकी अमला वार्डों ही नहीं, बल्कि तय एरिया के मुख्य मार्गों पर भी मेन लाइन से कनेक्टिविटी के लिए गड्ढे खोदने के बाद वहां से बारिश के मौसम में आने-जाने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए कोई इंतजाम नहीं कर रहे हैं। इससे जानलेवा गड्ढे हादसे को न्योता दे रहे हैं। जहां काम पूरा किया जा रहा है, वहां सड़कों का मेंटेनेंस करने में भी लेट-लतीफी की जा रही है। इस वजह से बारिश के मौसम में लोगों को दोहरी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

करीब 200 किमी एरिया प्रभावित

शहर के एबीडी एरिया में शामिल करीब 200 किलोमीटर एरिया में शामिल 14 वार्डों में 24 घंटे पानी देने के लिए रायपुर स्मार्ट सिटी ने करीब 127 करोड़ का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसके लिए दो टंकियां चिन्हित की गई। पहली टंकी गंज मंडी और दूसरी मोतीबाग है। गंज मंडी टंकी से तात्यापारा, शहीद चूड़ामणि नायक, स्वामी आत्मानंद तथा इंदिरा गांधी वार्ड शामिल है। इन टंकियों की मेन लाइन से नई सर्विस लाइन को कनेक्ट करने के लिए अलग-अलग पाइंट पर गड्ढे खोदने के बाद उन्हें एजेंसी कर्मी खुला छोड़ रहे हैं। बरसात में पानी जाम की स्थिति में हादसा होने का अंदेशा है।

इन स्थानों पर हादसे को न्योता

पड़ताल के दौरान पाया गया कि फूलचौक के पिछे बस्ती की सकरी गलियों में सर्विस लाइन बिछाने के लिए सड़कों की खोदाई करके मलबा समतल करके छोड़ा गया है। यहां मेटेनेंस नहीं होने से बस्ती में रहने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह की स्थिति पुरानीबस्ती में भी है। वहीं आमापारा से अग्रसेन चौक के बीच बजरंग नगर के पास मुख्य मार्ग पर गड्ढा खोदने के बाद खुला छोड़ा गया है। इसी प्रकार लीली चौक के पास लोगों को बचाने के लिए लाल कपड़े का घेरा करके खानापूर्ति की गई है। सारथी चौक के पास मेन रोड पर गड्ढे को खुला छोड़ा गया है।

एजेंसी कर्मियों को दिया है निर्देश

मेन लाइन कनेक्ट करने के लिए गड्ढा खोदने के बाद वहां सुरक्षा के लिए घेराबंदी करने एजेंसी कर्मियों को निर्देश दिया गया है। अगर लापरवाही की जा रही, तो इसे संज्ञान में लिया जाएगा। सर्विस लाइन की टेस्टिंग के बाद बस्तियों में मरम्मत करवाई जाएगी। - *अबिनाश मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम, रायपुर*

आयुर्वेद चिकित्सकों के पांच साल पुराने पंजीयन का होगा नवीनीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छग आयुर्वेदिक, यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा परिषद रायपुर द्वारा राज्य के विभिन्न आयुर्वेद संगठनों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (आचार एवं पंजीयन) विनिमय 2023 तथा आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संबंध में वृहद चर्चा की गई। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 1 जुलाई से परिषद में 30 जून 2019 के पूर्व पंजीकृत समस्त आयुर्वेद चिकित्सकों का पंजीयन नवीनीकरण प्रक्रिया आरंभ किया जाए। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत एचपीआर पोर्टल में अधिकाधिक चिकित्सकों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में आगामी सितंबर माह में रायपुर में आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सकों का एक राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने पर सहमति जताई गई।बैठक में उपस्थित संचालनालय आयुष छत्तीसगढ़ के संयुक्त संचालक डॉ. सुनील दास ने सभी चिकित्सक संगठनों से अपील की कि चिकित्सा व्यवसाय के दौरान सभी चिकित्सक आयोग द्वारा निर्धारित आचार संहिता, शिष्टाचार और व्यवसायिक आचरणों के पालन के प्रति सजग हों। बैठक में परिषद के रजिस्ट्रार डॉ. संजय शुक्ला, छग आयुर्वेद अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. पतंजलि दीवान, छत्तीसगढ़ आयुर्वेद शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. जीआर.रात्रे, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के प्रांताध्यक्ष डॉ. हरिंद्र मोहन शुक्ला, छत्तीसगढ़ आयुर्वेद महासंघ के अध्यक्ष डॉ. शिवनारायण द्विवेदी, सोसायटी ऑफ क्लीनिकल आयुर्वेदा के डॉ. रवि खिचरिया, डॉ. अनुज खरे, डॉ. नरेंद्र सिंह भुवाल आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

■ आयुर्वेद संगठनों की हुई बैठक

रविवि आज सौंपेगा...

अन्य प्राइवेट कॉलेज शामिल हैं। जहां कई पाठ्यक्रमों का संचालन होता है तथ स्क्रूटनी में देर होने की आशंका है, वे बुधवार को सूची जारी करेंगे। 25 व 26 जून को पहली सूची जारी होने के बाद जिन छात्रों के नाम इस लिस्ट में होंगे, उन्हें 26 जून से जुलाई तक का समय प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होगी। दूसरी लिस्ट 9 जुलाई तथा तीसरी मेरिट लिस्ट 19 जुलाई को जारी की जाएगी। छात्र आज भी रविवि के पोर्टल में जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सर्वर प्राब्लम, रजिस्ट्री...

अपॉइंटमेंट तो लोगों को मिल जाता है, लेकिन अगर कोई

पेज 11 के शेष ...

दस्तावेज में त्रुटि हो या गलती से अपलोड हो गया है, तो उसकी जगह पर दूसरा दस्तावेज अपलोड ही नहीं हो पाता। इसके कारण अपॉइंटमेंट ही कैंसिल हो जाता है। हालांकि उप पंजीयकों को इस मामले में यह तथ्य दिया जाता है कि शुरुआत में डीलिट कर दूसरा दस्तावेज अपलोड करने का ऑप्शन दिया गया था, लेकिन इसके कारण फर्जी अपॉइंटमेंट होने लगे थे। लोग दूसरे के नाम से भी अपॉइंटमेंट लेने लगे थे। इसके कारण ऑप्शन को हटा दिया गया है।

रविवि कराएगा योगा में...

हैं, लेकिन प्रवेश सीमित छात्रों को ही मिल पाता है। फिजिकल एजूकेशन डिपार्टमेंट द्वारा भी योग में उपाधि पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने के बाद अधिक छात्रों को मौका मिल सकेगा। मौजूदा शैक्षणिक सत्र में एमए दर्शनशास्त्र व योग की प्रवेश परीक्षा के लिए रविवि को 127 आवेदन मिले थे, जो सीट से लगभग तीन गुने हैं।

घर की बाड़ी में...

देवरी स्थित सुनील पांडे के घर की बाड़ी में गांजा पौधे की खेती की जा रही है। इसके बाद सेल और धरसींवा पुलिस की संयुक्त टीम ने इस घर में दबिश दी और बाड़ी से गांजा के तीन बड़े पौधे बरामद किए। बाड़ी के मालिक सुनील ने बताया कि उसने गांजा के सिर्फ 3 पौधे ही लगाए हैं, जिसकी कीमत दस हजार रुपए है। पुलिस ने पौधे जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी पूर्व में भी नारकोटिक्स एक्ट के प्रकरणों में जेल जा चुका है।

बिजनेस साइट

मल्टी एसेट निवेश, निवेशकों के लिए एक स्मार्ट विकल्प क्यों है

रायपुर। घरेलू मोर्चे पर, चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता के कारण इक्विटी बाजार हाल ही में अस्थिर रहे हैं। परिणाम घोषित होने के बाद भी, यह अस्थिरता देश में राजनीतिक परिदृश्य पर चल रही चिंताओं और विभिन्न प्रतिक्रियाओं को दर्शाती है। वैश्विक स्तर पर भी भू-राजनीतिक तनाव और धीमी वैश्विक वृद्धि के साथ मिलकर इसने अस्थिरता को और बढ़ा दिया है, जिससे निवेशकों का विश्वास और बाजार का प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। जब ऐसे अस्थिर बाजार के माहौल में निवेश करने की बात आती है, तो मल्टी-एसेट निवेश दृष्टिकोण काम आता है। इस रणनीति में कई एसेट क्लास में निवेश करना, एसेट को एक ही जगह पर केन्द्रित करने से बचने और जोखिम को कम करना और इस तरह निवेशकों को किसी एक एसेट क्लास में अचानक गिरावट से सुरक्षित रखना शामिल है।

रतन मोटवानी
म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, रायपुर

इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि बाजार अलग-अलग जोखिमों के अधीन हैं। यह मैक्रो, माइक्रो, घरेलू या अंतरराष्ट्रीय जोखिम कारक हो सकते हैं। इक्विटी, डेट, कमोडिटीज, रिट्स और इनविट्स आदि जैसे विभिन्न एसेट क्लास में निवेश करने से आपको सभी एसेट क्लास का एकमुश्त लाभ मिलता है, जिसके परिणामस्वरूप आपको अपने निवेश पर अधिकतम रिटर्न मिलता है।

इसके अलावा, हर एसेट क्लास एक ही तरह से स्थिति पर प्रतिक्रिया नहीं करता है। कुछ कमजोरी दिखा सकते हैं जबकि अन्य ऊपर की ओर झुकाव के साथ लचीलापन दिखाते हैं। और यहीं पर मल्टी-एसेट निवेश रणनीति अलग-अलग व्यवहार करने वाले एसेट क्लास के सार को पकड़ती है और लंबे समय में अपेक्षाकृत स्थिर रिटर्न देती है।

दिलचस्प बात यह है कि मल्टी-एसेट निवेश ने ऐतिहासिक रूप से साबित कर दिया है कि बाजार में संकट और अस्थिरता के बावजूद निवेशक अधिक अमीर बनते हैं। इस रणनीति के लाभों का लाभ उठाने का सबसे अच्छा तरीका मल्टी-एसेट म्यूचुअल फंड चुनना है। एक प्रोफेशनल मनी मैनेजर आपकी ओर से जरूरी काम करेगा, जिससे आपका समय और ऊर्जा बचेगी, लेकिन फिर भी आपको विभिन्न साइकिल्स में विभिन्न एसेट्स के लाभों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

इस कैटेगरी में सबसे पुरानी ऑफर्स में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टी-एसेट फंड है। 21 से अधिक वर्षों के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, इस फंड ने शुरुआत से ही 21.39 प्रतिशत का मजबूत रिटर्न दिया है। 31 मई, 2024 तक फंड ने एक वर्ष में 31.57 प्रतिशत का प्रभावशाली रिटर्न और तीन वर्षों और पांच वर्षों में क्रमशः 22.24 प्रतिशत, 19.45 प्रतिशत का काफी अच्छा और प्रभावशाली रिटर्न दिया है।

शपथ पत्र

मैं अजय पाण्डेय पिता दालो पाण्डेय उर्फ मोतीलाल पिता दालो कुम्हार निवासी वार्ड नं. 19 बजरंग नगर हर्षित विहार कालोनी उरकुरा जिला रायपुर छ.ग. 493221 शपथपूर्वक कथन करता हूं:-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।
2. यह कि मोती लाल पिता दालो कुम्हार मेरा घरेलु (चालु) नाम है पूर्व में इसी नाम से मेरा आधार कार्ड, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, जीवन बीमा पॉलिसी बना हुआ है किन्तु वर्तमान में मैं अपना नाम अजय पाण्डेय पिता दालो पाण्डेय रख लिया हूं। अब मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाता है एवं अपने आधार कार्ड, पेन कार्ड, बैंक पासबुक सहित सभी शासकीय/ अर्धशासकीय दस्तावेजों में अपना नाम अजय पाण्डेय पिता दालो पाण्डेय दर्ज करा लिया हूं।
3. यह कि मैंने भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा क्र. 3 रायपुर से एक जीवन बीमा पॉलिसी क्र. 383013243 लिया हूं जिसमें मेरा नाम मोती लाल पिता दालो पंडित झा अंकित है।
4. यह कि उक्त भारतीय जीवन बीमा पॉलिसी क्र. 383013243 की लिया मैचुरिटी राशि अपने सही नाम अजय पाण्डेय के नाम से लेना चाहता हूं।
5. अतः अजय पाण्डेय पिता दालो पाण्डेय एवं मोती लाल पिता दालो कुम्हार एक ही व्यक्ति के नाम होने के समर्थन में यह शपथपत्र प्रस्तुत कर रहा हूं।

शपथकर्ता

सत्यापन

मैं उपरोक्त शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि कंडिका 01 से 05 तक की दी गई संपूर्ण कथन मेरे निजी ज्ञान के अनुसार सत्य एवं सही है। अतः आज दिनांक को अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित किया हूं।

शपथकर्ता

रायपुर छ.ग.
दिनांक 22/06/2024

24x7 EMERGENCY SERVICE 1800-889-2092

आरोग्यम्

NABH PATIENT SAFETY & QUALITY OF CARE CERTIFIED

सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

स्वस्थ जीवन के लिए सदैव समर्पित

मध्य भारत का एकमात्र किडनी एवं मूत्र रोग संस्थान

यूरोलॉजी & नेफ्रोलॉजी की सुविधा उपलब्ध

अत्याधुनिक लेप्रोस्कोपिक सेंटर

किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध

अत्याधुनिक डायलिसिस यूनिट

सभी प्रकार की स्टोन का टीटमेंट

एडवांस आईसीयू

24 घंटे रेडियोलॉजिकल एवं डायग्नोस्टिक लैब

3 एडवांस मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर

यूरोलॉजी & नेफ्रोलॉजी
डॉ. नवीन राम दारुका — M.CH (UROLOGY) BHU (पथरी, मूत्र रोग विशेषज्ञ & किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन)
डॉ.आर. के. साहू — MD (MEDICINE) NEW DELHI DM (NEPHROLOGY) KOLKATA (किडनी ट्रांसप्लांट फिजिशियन)
डॉ. एस.के. सेठी — MD (MEDICINE) (कंसल्टिंग फिजिशियन इन जनरल मेडिसिन एंड नेफ्रोलॉजी)
डॉ. रेखराज साहू — DNB (UROLOGY), KIMS (पथरी, मूत्र रोग विशेषज्ञ & किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन)

ट्रामा यूनिट
डॉ. तरुण के नायक — M.S., F.R.C.S (GLASGOW) (जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन)
डॉ. कुलदीप सिंह — MS, M.CH (NEUROSURGEON) (मस्तिष्क नस एवं स्पाइन रोग विशेषज्ञ)
डॉ. अनुराग चंद्राकर — MBBS, MS (ORTHO) FIJR (हड्डी रोग विशेषज्ञ)
डॉ. नमन पिंचा — MBBS, MS (ENT) (नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ)

एडवांस ICU यूनिट
डॉ. राजेश सिंघल — MD.DNB (इंटरनल मेडिसिन) CCEBDM,ACMDC (DIABETES)
डॉ. विशाल अग्रवाल — MBBS, DNB (इंटरनल मेडिसिन)
डॉ. ख़ालिद बेग — MBBS, DNB (ANESTHESIOLOGY)
डॉ. पियूष निधि शर्मा — MBBS (ICU SPECIALIST)

सभी प्रकार के इंश्योरेंस कंपनी से कैशलेस की सुविधा उपलब्ध
CGHS | SECR (रेलवे) | CSEB (विधुत विभाग) | ESIC | TPA
IIT BHILAI | BIJU (ओडिशा कार्ड होल्डर) | SAIL BSP (Ex-Employee)

97554 21861, 0788-2990458

NH-53,डी-मार्ट के पास, दुर्ग बाईपास रोड, कादंबरी नगर, दुर्ग छत्तीसगढ़

info@ashaarogyam.com ashaarogyam.com aarogyam hospital

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount For BPL Card Holder
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th (Biology, Maths, Commerce)
Register Now at www.mesraipur.com
Highlight
• Spoken English & Personality Development Classes • Transport & Surveillance Facility • Monthly Seminar & Discussion • Personal Attention on each students • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90% • Robotics and Science laboratory • Sports and Curriculum Activities
Highlight
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 0771-4000123, 9425214413, 9329621221

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount For BPL Card Holder
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features
• Extra curricular activities • Personal attention to each student Limited student in each class • Music, Dance, personality development classes • Yoga • Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) 0771-4913336, 9425214413, 9329621221 Email:- rpsraipur123@gmail.com

खबर संक्षेप

ग्रेडेशन लिस्ट जारी होने के बाद पूरी होगी पदोन्नति की प्रक्रिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी और लोक शिक्षण संचालनालय की संचालक दिव्या मिश्रा से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षक एलबी संवर्ग को प्रथम नियुक्ति तिथि से पूर्व सेवा की गणना करने मांगपत्र सौंपा, जिस पर शिक्षा विभाग के सचिव ने कहा है कि वरिष्ठता सूची का अंतिम प्रकाशन कर शीघ्र पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, अन्य विषय पर भी समयानुसार निर्णय लिया जाएगा। इस मौके पर टीचर्स एसोसिएशन मुख्य मांगें, पूर्व सेवा के आधार पर पुरानी पेंशन के लिए कुल सेवा अवधि की गणना की जाए, पेंशन निर्धारण के लिए अर्हकारी सेवा 33 वर्ष के स्थान पर केंद्र सरकार की तरह 20 वर्ष की जाए, सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर की जाए, पूर्व सेवा अवधि के आधार पर क्रमोन्नति वेतनमान प्रदान किया जाए। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में सुधीर प्रधान, बसंत चतुर्वेदी, मनोज सनाढ्य, सुखनंदन साहू, नारायण चौधरी, नंद कुमार साहू, डॉ. सीएल साहू, अतुल शर्मा आदि शामिल थे।

मेडिकल कांप्लेक्स में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर कल

रायपुर। रजबंधा मैदान स्थित मेडिकल कांप्लेक्स हॉल में 26 जून को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम सिटी आई केयर हॉस्पिटल, सीजी हॉस्पिटल एवं रायपुर केमिस्ट एवं ड्रगिस्ट एसोसिएसन द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजक ने बताया कि शिविर दोपहर 2 बजे शाम 6 बजे तक जारी रहेगा। शिविर में मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. एस. जायसवाल, दंतरोग विशेषज्ञ डॉ. रवि गोयल, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अमृता वर्मा, डॉ. एमएस श्रीवास्तव, डॉ. एस गोस्वामी, डॉ. महेंद्र दुवारे और डॉ. सारिका श्रीवास्तव आदि अपनी सेवाएं देंगे।

क्रिश्चियन फोरम का आरोप- निर्दोषों पर हो रही कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अराजकता का माहौल है। कानून व्यवस्था खत्म हो गई है। निर्दोष आदिवासी नक्सल के बहाने मारे जा रहे हैं। 27 गंभीर हमले महिलाओं व धर्मस्थलों पर हुए हैं। एफआईआर तो दूर, शिकायत तक नहीं ली जा रही है। इन तमाम मुद्दों को लेकर सोमवार को छत्तीसगढ़ क्रिश्चियन फोरम के अध्यक्ष अरुण पन्नालाल ने पत्रकारवार्ता में बताया कि मोतीबाग से कलेक्टर कार्यालय तक समाज के लोगों द्वारा रैली निकाली जाएगी। साथ ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपा जाएगा। इसके माध्यम से मांग की जाएगी कि पुलिस प्रशासन मामले की जांच करने के बाद कार्रवाई करे। किसी भी निर्दोष को जबरन परेशान न किया जाए। यह आग्रह भी राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री से करेंगे।

ब्लॉकेज से हार्ट का पंपिंग पॉवर हो गया कम, मरीज का माइट्रल वॉल्व प्रत्यारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- 63 वर्षीय महिला का जटिल ऑपरेशन, सांस फूलने की थी शिकायत
- परिजन उसे एसीआई के हार्ट सर्जरी विभाग जांच कराने के लिए लेकर पहुंचे

हृदय की नसों में ब्लॉकेज की वजह से पंपिंग पॉवर कम हो गया और थोड़ी कमी से वृद्ध महिला का दम भरने लगा। शिकायत लेकर आंबेडकर अस्पताल पहुंची महिला का जटिल ऑपरेशन कर माइट्रल वॉल्व प्रत्यारोपित किया गया। कुछ दिन तक निगरानी में रखने के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी भी दे दी गई।

महिला पिछले छह माह से सीने में दर्द और सांस फूलने की समस्या से पीड़ित थी। परिजन उसे एसीआई के हार्ट सर्जरी विभाग जांच कराने के लिए लेकर पहुंचे। एंजियोग्राफी एवं इको कार्डियोग्राफी से पता चला कि हृदय की कोरोनरी आर्टरी में 95 प्रतिशत ब्लॉकेज है एवं माइट्रल वॉल्व एवं ट्राइकस्पिड वॉल्व में लीकेज है। इसके उपचार के लिए कोरोनरी बाइपास सर्जरी एवं वॉल्व प्रत्यारोपण की सलाह दी गई। मरीज मध्यप्रदेश की रहने वाली थीं, मगर उसने एसीआई के सर्जन और चिकित्सकीय टीम पर भरोसा जताया। चिकित्सकों के अनुसार ऑपरेशन दो वॉल्व में लीकेज, हृदय कमजोर और अधिक उम्र होने की वजह से जटिल था।

टाइटेनियम के कृत्रिम वॉल्व से बदला

सर्वप्रथम इस मरीज का बीटिंग हार्ट कोरोनरी बायपास किया गया, जिसमें लेफ्ट इंटरनल मेमरी आर्टरी का उपयोग किया गया। उसके बाद मरीज की ओपन हार्ट सर्जरी कर खराब माइट्रल वॉल्व को टाइटेनियम के कृत्रिम वॉल्व से बदला गया। मरीज को चिकित्सकों की निगरानी में रखने के 10 दिनों बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। महिला को आयुष्मान स्वास्थ्य योजना का लाभ मिला और उसका उपचार योजना के तहत निशुल्क हुआ।

बिरगांव निगम को सरोरा व अछोली में अधूरे निर्माण को पूरा करवाने में बारिश के कारण होगा विलंब

मेन लाइन व सर्विस लाइन का काम अटका

104 करोड़ के प्रोजेक्ट में 8 टंकियां, 6 ही बना पाई एजेंसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बिरगांव निगम सीमा में हर घर में नल कनेक्शन देने की मुहिम टंकियों के निर्माण में विलंब के कारण अटकी हुई है। सरकार ने लोगों को पेयजल की बेहतर सुविधा देने के लिए जल आवर्धन योजना को मार्च 2023 मार्च तक पूरा करने के लिए समय देने के साथ ही 104 करोड़ की मंजूरी दी। वहीं एजेंसी से काम शुरू करवाने के बाद अभी तक प्रस्तावित 8 में से 6 टंकियों को ही शुरू किया है। अछोली और सरोरा में टंकियों का निर्माण ही नहीं, मेन लाइन व सर्विस लाइन का काम भी बचा हुआ है।

हरिभूमि सरोकार

सरकार ने निगम को 2019 में 104 करोड़ की जल आवर्धन योजना की सौगात देते हुए 40 वार्डों में पेयजल की बेहतरी के लिए तैयार किए गए प्रोजेक्ट को शुरू किया। इसे तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा था। अभी आलम यह है कि प्रोजेक्ट में शामिल कार्यों में से दो टंकियों का निर्माण करवाने के साथ ही मेन लाइन से कनेक्टिविटी और सर्विस लाइन बिछाने का काम भी करीब 6 किलोमीटर एरिया में बचा है। प्रोजेक्ट पिछड़ने की वजह जांचने पर पता चला कि पहले फेज में फिल्टर प्लांट की क्षमता बढ़ाने व नए इलाके में मेन लाइन बिछाने पर फोकस किया गया। इसे पूरा करने के बाद दूसरे फेज में टंकियों का काम शुरू करने के लिए समय पर फंड नहीं मिलने से विलंब की स्थिति बनी। नतीजा, अछोली में टंकी का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन यहां सर्विस लाइन का काम अभी बचा है।

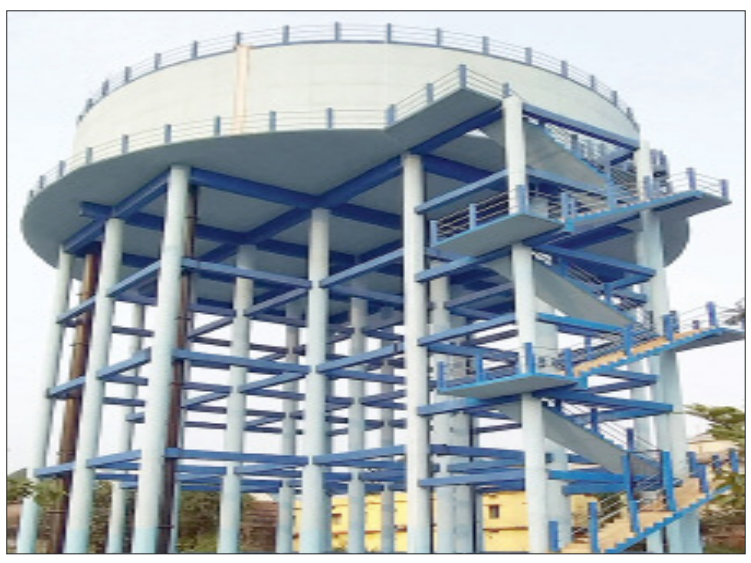

इस वजह से काम अधूरा

प्रोजेक्ट पिछड़ने का मुख्य कारण समय पर पाइप लाइन नहीं मिलना है। सूत्रों ने बताया कि केन्द्र शासन ने देशभर में चल रहे जल आवर्धन योजना के लिए पाइप लाइन की सप्लाई की जिम्मेदारी तीन कंपनियों को दी है। कंपनियों ने की गई डिमांड को समय पर पूरा नहीं किया। इससे निगम के वार्डों में पाइन लाइन बिछाने का काम 6 से 8 महीने पिछड़ा। अभी नल कनेक्शन में वाटर मीटर का काम भी अधूरा है। बताया जाता है कि करीब 12 हजार नलों में वाटर मीटर लगा, उनमें से 3 हजार से ज्यादा टूट-फूट का हिस्सा बना है।

सितंबर तक का पूरा करने का लक्ष्य

अछोली में टंकी का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। एडिशनल पाइप लाइन बिछाने का काम ही बचा है। सरोरा में बिजली लाइन की वजह से टंकी का काम प्रभावित हुआ। बचे हुए काम को सितंबर तक पूरा करने का लक्ष्य है। अभी पेयजल की समस्या कहीं नहीं है।

- **बृजेश सिंह क्षत्रिय,** आयुक्त, नगर निगम, बिरगांव

अभी लगेगा चार महीना

जल प्रदाय में तय काम को पूरा करने में अभी कम से कम चार महीना और लगने वाला है, क्योंकि सरोरा में निर्माणाधीन टंकी का काम 50 प्रतिशत ही पूरा हुआ है। वहीं अछोली में टंकी का निर्माण पूरा होने के बाद भी यहां 6 किलोमीटर एरिया में मेन लाइन और सर्विस लाइन बिछाने का काम बचा है। बरसात की वजह से काम प्रभावित होने की संभावना भी जताई जा रही है। इसे देखते हुए प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने अभी चार महीना और लगने की जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली से पहले बचे हुए काम को पूरा करने निर्देश है।

अपातकाल के दौर में प्रताड़ित सेनानियों व उनके परिजनों का 26 को सीएम निवास पर सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- सेनानी संघ ने लोकतंत्र के काले अध्याय को पाठ्यक्रम में शामिल करने की अपील

लोकतंत्र की दुहाई देने वालों ने लोगों के अधिकारों का हनन करते हुए विरोध प्रदर्शन करने वालों को जेल में डाल दिया था। गिरफ्तार होने वालों को यह भी नहीं पता था कि वे कभी बाहर की दुनियां भी देख पाएंगे। कुछ इसी तरह की जानकारी देते हुए लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने सोमवार को पत्रकार वार्ता में मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व कांग्रेस सरकार ने अपातकाल का दंश झेलने वाले मीसा बंदी परिवारों का सम्मान भी बंद कर दिया था। अब भाजपा सरकार 26 जून को 300 से ज्यादा परिवारों का दोपहर 1 बजे सीएम निवास में सम्मान करेगी।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने आगे बताया कि 1975 से 1977 का समय लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय रहा है। न्यायालय द्वारा जिस चुनाव को अवैध करार दिया, उसके खिलाफ जाकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दमनकारी नीति अपनाते हुए विरोध करने वालों को गिरफ्तार करवाया। ऐसे सैकड़ो परिवार के लोग आज भी उस दौर को याद करते हैं। मीसाबंदी परिवारों का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से सम्मान के बाद संघ की ओर से अपातकाल के घटना क्रम को पाठ्य पुस्तक में प्रकाशित करने की मांग रखी जाएगी।

उन्होंने बताया कि मीसाबंदियों को मिलने वाली सम्मान नीधि की राशि के अंशदान से ऐसे परिवारों को शहर में किसी काम से आने पर आवास की सुविधा मिले, इसके लिए संघ द्वारा पहल की जाएगी।

'बार' वाले अब नहीं चलाएंगे कैंटीन, भूल गए अनुबंध करना, रविवि ने रद्द किया टेंडर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पं. रविशंकर शुक्ल विवि ने द गोल्डन ओक को प्रदान किया गया कैंटीन का ठेका रद्द कर दिया है। रविवि ने बीते वर्ष दिसंबर में कार्यपरिषद की बैठक में हुए निर्णय के आधार पर कैंटीन के लिए टेंडर मंगाया था। इसके लिए तीन कंपनियों ने आवेदन किया था। इसमें होटल द गोल्डन ओक के अलावा रायपुर की श्री साईं सर्विस तथा कोरबा की श्री साईं सर्विस का भी नाम था। इनमें से होटल द गोल्डन ओक को रविवि द्वारा ठेका दिया गया। अनुबंध के लिए खत 3 जनवरी को जारी किया गया। इसके बाद पुनः स्मरण खत 27 मई को जारी हुआ।

तय तिथि तक होटल द्वारा अनुबंध नहीं करने के कारण रविवि ने अब इसे निरस्त कर दिया है। जून के प्रथम पखवाड़े में हुई कार्यपरिषद की बैठक में रविवि द्वारा यह निर्णय लिया गया। हालांकि रविवि द्वारा यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि टेंडर दोबारा किया जाएगा अथवा पूर्व में निकाले गए टेंडर के लिए आवेदन करने वाले फर्म में से ही किसी को इसके लिए ठेका दिया जाएगा। मौजूदा हालातों को देखते हुए नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व कैंटीन खुल पाने की संभावना कम ही है।

- कोरोनाकाल से बंद पड़ी रही रविवि की कैंटीन, नैक टीम ने भी जताया था रोष
- होटल द गोल्डन ऑक को दिया गया था ठेका, लड्डू सप्लाई को लेकर पूर्व में भी विवाद

बाजार से कई गुना अधिक कीमत

जिस होटल गोल्डन ओक को रविवि द्वारा ठेका दिया गया था, उसके द्वारा तय की गई लड्डुओं की कीमत को लेकर पूर्व में भी विवाद हो चुका है। गणतंत्र दिवस पर इसी फर्म को बूंदी के लड्डू का ठेका दिया गया था। बाजार से कई गुना अधिक दाम पर लड्डुओं का वितरण किया गया था। बात में यह बात भी सामने आई थी, संबंधित होटल का रेस्त्रां बंद हो चुका है। केवल बार का ही संचालन उनके द्वारा किया जा रहा है।

नैक ने जताई थी नाराजगी

गौरतलब है कि रविवि की कैंटीन कोरोनाकाल से बंद पड़ी है। बीते वर्ष नैक टीम निरीक्षण के लिए आई थी। रविवि का ग्रेड ए से घटकर बी पर आ पहुंचा था। टीम ने छात्रों को कैंपस में मिल रही खान-पान की सुविधाओं से लेकर अन्य व्यवस्थाओं पर भी नाराजगी जताई थी। नैक द्वारा जिन विभिन्न बिंदुओं पर विश्वविद्यालय को ग्रेड दिए जाते हैं, उसमें एक छात्रों को दी जाने वाली सुविधा भी है। नैक ग्रेडिंग घटने और सालभर बीत जाने के बाद भी रविवि द्वारा इस दिशा में कोई कार्य नहीं किया जा सका है।

अपराधों पर लगाम लगाने कमल विहार-भाठागांव व नवा रायपुर के सेक्टर 18 में पुलिस चौकी खोलने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के कमल विहार और भाठागांव के अलावा नवा रायपुर के सेक्टर-18 क्षेत्र में बढ़ती अपराधिक वारदातों को देखते हुए पुलिस प्रशासन अब इन तीनों क्षेत्रों में पुलिस चौकी खोलने की तैयारी में है। इसके लिए प्रस्ताव भी बनाया गया है। फिलहाल इन जगहों पर अपराध रोकने के लिए पुलिस सहायता केंद्र बनाए गए हैं, जहां पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने सिविल लाइन स्थित सी-4 भवन के सभाकक्ष में रायपुर जिले के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों की बैठक लेकर विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में कहा कि छोटी-छोटी घटनाओं एवं कानून व्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करें।

इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतें, क्योंकि छोटी घटना कभी भी बड़ा रूप ले सकती है। उन्होंने क्षेत्र के थाना प्रभारियों को चौकियां खोलने के लिए स्थान चिन्हांकित करने के लिए कहा है।

पेंडिंग प्रकरणों का जल्द निराकरण करने के निर्देश

उन्होंने लंबित अपराध, मर्ग एवं गुम इंसान के प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करने, गुम इंसानों को विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी दस्तयाब करने, लंबे समय से लंबित शिकायत पत्रों का 15 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से निराकरण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके अलावा पुराने प्रकरणों में फरार आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के भी निर्देश दिए हैं।

पुलिस प्रशासन ने फिलहाल सहायता केंद्र बना लगाया बल

थाना प्रभारियों को चेतावनी

एसएसपी ने जिन थानों में अत्यधिक शिकायत लंबित है, उन थाना प्रभारियों को जल्द से जल्द शिकायतों को निराकृत करने संबंधी चेतावनी भी दी।

चिटफंड व महादेव एप के पेंडिंग प्रकरणों की जांच में तेजी लाने के निर्देश

एसएसपी ने बैठक में महादेव एप और चिटफंड के पेंडिंग प्रकरणों में की जा रही जांच में तेजी लाने के निर्देश दिए है। इसके अलावा गौ तस्करों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नशे के खिलाफ जिले में चलाए जा रहे अभियान को लेकर भी उन्होंने कहा कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ न केवल सख्त कार्रवाई करें, बल्कि नशे के सामग्रियों को पकड़ने के दौरान उसके अंतिम सप्लाई चैन व आरोपियों की तस्दीक करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा अवैध रूप से शराब की बिक्री, भंडारण व परिवहन करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए कहा।

वरिष्ठ रंगकर्मी रिजवी की बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में किया भर्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध रंगकर्मी जलील रिजवी के गंभीर रूप से अस्वस्थ होने की खबर सामने आई है। उन्हें राजधानी रायपुर के एक निजी हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। उनकी तबीयत बिगड़ने की खबर वायरल होने के बाद नाट्य एवं सिने जगत से जुड़े कलाकारों, रंगकर्मियों तथा प्रशंसकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने एवं लंबी उम्र जीने की कामना की।

बंगाल से रायपुर आया थियेटर

जलील रिजवी का कुछ माह पूर्व सोशल मीडिया पर एक इंटरव्यू वायरल हुआ है। इसमें उन्होंने बताया है कि रायपुर में थियेटर का आगाज बंगालियों ने किया है। इसे मराठियों ने भी आगे बढ़ाया, क्योंकि दोनों ही समाज में कला पाई जाती है। उनके अनुसार रायपुर में 70-80 के दशक में 16 से 17 नाट्य संस्थाएं थी। उस दौर में रामलीला और नौटंकी हुआ करती थी। शहर के टूरीहटरी इलाके में भी नाट्य मंचन हुआ करते थे। रेलवे इंस्टीट्यूट शुरुआती दौर के नाटक के गवाह भी रहे हैं। वे वर्ष 1924 से रंगकर्म के इतिहास से भी परिचित हैं।

30 से अधिक छोटे-बड़े नाटकों का निर्देशन

जलील रिजवी का छत्तीसगढ़ नाट्य जगत में बड़ा नाम है। उनके नाम की प्रसिद्धि उनके नाटकों की संख्या से ही लगाई जा सकती है। अब तक वे 30 से ज्यादा छोटे-बड़े नाटकों का निर्देशन कर चुके हैं। उनके दो नाटकों 'एक और द्रोणाचार्य' तथा 'तामपत्र' को गजानन माधव मुक्तिबोध नाट्य स्पर्धा में कई श्रेणियों में पुरस्कार मिले थे।

बिजनेस साइट

श्री बालाजी रेडीमेड सेल में एक से बढ़कर एक कपड़े 199 रुपए में

रायपुर। गढ़कलेवा के पास घड़ी चौक स्थित गुरु तेगबहादुर हॉल में श्री बालाजी रेडीमेड सेल द्वारा आयोजित सेल को रायपुरियंस से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सेल सीमित दिनों के लिए है।

सेल के संचालक ने बताया कि 4000 रुपए तक में बिकने वाले नेशनल व इंटरनेशनल ब्रांड के लेडिज जीन्स, प्लाजो, फैंसी टॉप, क्रॉप टॉप, कॉटन टॉप, लॉन्ग टॉप, कॉटन पैंट, जींस शर्ट आदि मात्र 199 रुपए में दे रहे हैं। 5000 रुपए तक में मिलने वाले सभी ब्रांड्स के गारमेंट्स 700 व 900 रुपए तथा कॉटन ही कॉटन स्पेशल किड्स वेअर ऑफर में टी-शर्ट, ब्रांडेड कॉलर टी-शर्ट, लोअर, कैपरी, फैंसी टॉप आदि 79, 99 व 149 रुपए में दिए जा रहे हैं। यहां 4000 रुपए तक कीमत वाली कुर्ती 199, 349 व 399 रुपए में उपलब्ध है। सेल में रेडीमेड गारमेंट्स के अलावा एक से बढ़कर एक साड़ियां भी उपलब्ध हैं। साथ ही सेल में घरेलू उत्पादों की भरमार है।

जयका ऑटोमोबाइल्स ने जीता 'शानदार मार्केट शेयर अवार्ड'

रायपुर। टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स छत्तीसगढ़ के सबसे पुराने डीलरशिप जयका ऑटोमोबाइल्स एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड ने फाडा से नेशनल एक्सीलेंस अवार्ड-2024 जीतने के बाद नई दिल्ली में आयोजित टाटा मोटर्स की नेशनल डीलर कांफ्रेंस 2023-24 में 'हैवी कमर्शियल व्हीकल्स ट्रक-कंस्ट्रक' में 'शानदार मार्केट शेयर' नेशनल अवार्ड जीतकर जयका ग्रुप का 70 साल यानी 'जे70' उत्सव को बहुत खास और आनंदमय बना दिया है। जयका ग्रुप के चेयरमैन प्रफुल्ल के. काले ने टाटा मोटर्स लि. अध्यक्ष गिरीश वाघ से पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रफुल्ल काले ने जयका ऑटोमोबाइल्स के सभी कर्मचारियों की सराहना की। जयका ऑटोमोबाइल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर रोहित काले ने पुरस्कार का श्रेय जयका के सीनियर सेल्स जीएम सुशील त्रिपाठी और उनकी सेल्स टीम को दिया और अपने समस्त ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हुए आगे और अच्छी गुणवत्ता से सेवा प्रदान करते हुए नई ऊंचाई छूने का विश्वास जताया है।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 25 जून 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

पीएससी ने पूछा- 'आज के बासी काल के ...

सिटी इवेंट

नए कानूनों से मिलेगी राहत अब डिजिटल साक्ष्य भी मान्य

रायपुर। जनपद कार्यालय अभनपुर में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के संबंध में जानकारी दी गई। अधिकारी व कर्मचारियों के अलावा स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति भी रही। उल्लेखनीय है कि देश में एक जुलाई से लागू हो रहे नए आपराधिक कानून के संबंध में इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि नई भारतीय न्याय संहिता-23 में पूर्व प्रचलित धाराओं व सजा प्रावधानों में कई बदलाव हुए हैं। ऐसे कई धाराओं में परिवर्तन कर न्याय प्रणाली में व्यापक सुधार कर अपराधों पर सख्त सजा का प्रावधान जमानत प्रक्रियाओं में सुधार, जांच व न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई गई है। गंभीर प्रकरणों में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को नए कानून में मान्यता मिली है। भगोड़े अपराधियों पर कानून और भी सख्त बनाया गया है। इन न्यायसंगत सुधारों से जहां छोटे अपराधों में लिप्त आरोपियों को सुधरने का अवसर दिया गया है, वहीं जघन्य अपराधों पर कड़ी सजा होगी। भारतीय न्याय संहिता में पहली बार कम्युनिटी सर्विस जैसी सजा का प्रावधान कर अपराधियों को सुधरने का अवसर भी दिए जाने का प्रावधान है।

आज एक्सपर्ट देंगे जानकारी

एक जुलाई से लागू हो रही "भारतीय न्याय संहिता-2023" के मूल तत्वों व पुराने दंड विधान में हुए बदलाव के संबंध में आम लोगों को जागरूक करने जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कार्यशाला का आयोजन 25 जून को शाम 6 बजे रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के सभाकक्ष में आयोजित है। कार्यशाला में हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के प्रो. अभिनव शुक्ला और प्रो. हिना इलियास न्याय संहित में हुए बदलाव के संबंध में विस्तार से चर्चा करेंगे। कार्यशाला में एनजीओ के पदाधिकारी व सदस्य आमंत्रित हैं।

लाइव इवेंट

वृक्ष बचाने बनाई मोहल्ला समिति 40 पेड़ लगाकर की शुरुआत

रायपुर। अग्रवाल युवती मंडल ने इस मानसून शहर के अलग-अलग हिस्सों में वृक्षारोपण करने मोहल्ला समिति का गठन किया है, जो अपने क्षेत्रों में वृक्षारोपण कर पशुओं से बचाने सालभर पौधों की रक्षा करेंगे। इस कड़ी में सबसे पहले पुरानी बस्ती मोहल्ला समिति की युवती मंडल ने वात्सल्य इंग्लिश मीडियम स्कूल में वृक्षारोपण किया। युवती मंडल प्रभारी मनीष अग्रवाल और अध्यक्ष शिवांगी अग्रवाल उपस्थिति में 40 पेड़ लगाए गए और उनकी देखभाल की जिम्मेदारी ली। संस्था ने बताया कि मानसून में इस बार भी पौधारोपण के लिए छायादार, फलदार व फूलदार पेड़ों को शामिल किया गया है। संस्था ने तीन सालों से शहर में वृक्षारोपण को लेकर कार्य कर रही है।

मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार

अग्रवाल युवती मंडल ने शहर में 70 से अधिक वार्ड में वृक्षारोपण का लक्ष्य बनाया है। पहले शहर के भीतर वार्ड व मोहल्लों में लगाया जाएगा, जिसके बाद आउटर में टीम के सदस्य पहल करेंगे। संस्था का कहना है कि जिन जगहों पर वृक्षारोपण किया जा रहा है, वहां पौधे की देखरेख करने के लिए जिम्मेदारी तय की जा रही है। ग्रुप के जरिए पौधों के लिए मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया गया है, ताकि कोई पौधा पानी के अभाव में खत्म न हो। कार्यक्रम में ऋचा अग्रवाल, खुशबू, रुचिता, कुसुम, आयुषी, पलक बरखा अग्रवाल के साथ वात्सल्य इंग्लिश स्कूल की प्रिंसिपल डॉ.मीनाक्षी अग्रवाल उपस्थित रही।

आराधना

वात्सल्यमयी जीवन के जरिए दी सत्मार्ग की प्रेरणा

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी ओम राधे की 59 वीं पुण्य तिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। विधानसभा रोड पर स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में एक सादे समारोह में ब्रह्माकुमारी ओम राधे के चित्र पर माल्यार्पण कर रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने मातेश्वरी जी के जीवन से संबंधित संस्मरण सुनाकर सभी को उनके द्वारा बतलाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बतलाया कि मातेश्वरी जी वात्सल्य की मूर्ति होने के साथ ही अनेक गुणों से संपन्न थी। सभी उन्हें मां कहकर पुकारते थे।

प्रबुद्धजनों की भागीदारी

उन्होंने एक मां की तरह से ब्रह्मावत्सों की पालना की। उनका जीवन अत्यन्त आदर्श और प्रेरणादायी था। उनके जीवन में अपनाए गए सिद्धांत आज संस्था के लिए प्रमुख सूत्र बन चुके हैं, जिसके आधार पर ब्रह्माकुमारी संस्था का संचालन किया जाता है। ब्रह्माकुमारी ओम राधे ने 24 जून 1965 को अपने पार्थिव शरीर का त्याग किया था। सभा में पहले ब्रह्माकुमारी ओम राधे की पुण्य स्मृति में परमपिता परमात्मा शिवबाबा को भोग स्वीकार कराया गया, जिसे बाद में सभा में उपस्थित सभी लोगों में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी किरण दीदी, नीलम दीदी, गंगा दीदी एवं ब्रह्माकुमारी चन्द्रकला दीदी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

● नेशनल प्रतियोगिता में शरीर को मजबूत बनाने खिलाड़ी करते हैं स्टेरॉयड का सेवन, एक्सपर्ट्स ने इसे बताया जानलेवा

स्टेरॉयड का सेवन स्पोर्ट्स कॅरियर संग दिल को कर देगा बर्बाद, केवल सोया, दूध और सत्तू से मिलेगा हाई प्रोटीन

मांसपेशियों की मजबूत के लिए खिलाड़ी समेत युवा भी जिम जाकर घंटों वर्कआउट करते हैं, लेकिन कम समय में बॉडी को अलग आकार देने के लिए अब भी कई युवा स्टेरॉयड और प्रोटीन सप्लीमेंट जैसे उत्पादों का सेवन करते हैं। खिलाड़ी प्रतियोगिता के दौरान अच्छा प्रदर्शन दिखाने और ताकत बढ़ाने के लिए भी स्टेरॉयड लेते हैं। इसका खुलासा नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी की जांच में हुआ है।

रायपुर। प्रदेश के दो खिलाड़ियों को इस गलती का खामियाजा भारतीय वेटलिफ्टिंग फेडरेशन द्वारा प्रतिबंध के रूप में चुकाना पड़ेगा। हरिभूमि ने बॉडी बिल्डिंग कोच व जिम एक्सपर्ट्स से बातचीत की। वेटलिफ्टिंग विशेषज्ञ मानिक ताम्रकार का कहना है कि विभिन्न खेल में एंटी डोपिंग एजेंसी सक्रिय है। किसी भी खेल के खिलाड़ियों को डोपिंग लेने से बचना चाहिए। अगर कोई नेशनल लेवल का खिलाड़ी है तो एजेंसी कभी भी डोपिंग जांच कर सकती है। ताकत बढ़ाने सप्लीमेंट्स और एनर्जी ड्रिंक का प्रयोग खेल कॅरियर को खराब कर सकता है। शॉट टर्म में यह खिलाड़ियों को अच्छा लगता है, लेकिन आगे चलकर यह खिलाड़ियों की सेहत के लिए हानिकारक साबित होता है। जांच में खिलाड़ी डोपिंग में भी फंस जाते हैं। लंबे समय के बाद राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी ने जांच कर खिलाड़ियों को निलंबित किया है।

कार्डियक अरेस्ट का खतरा

आमतौर पर खिलाड़ी प्रतियोगिता से पहले अपनी ताकत बढ़ाने के लिए स्टेरॉयड और सप्लीमेंट का सेवन करने लगते हैं। जांच में पता चला है कि ज्यादातर खिलाड़ी एक से दो महीने लगातार इसका सेवन करते हैं। जिम ट्रेनर देवरथ दास ने बताया कि नेचुरल तरीके से शरीर और ताकत बढ़ाना है, तो सालभर नियमित वर्कआउट और एक तरह के डाइट को फॉलो करना पड़ेगा। एथलेटिक्स के खिलाड़ी क्षमता बढ़ाने के लिए शॉर्ट टर्म उपयोग करते हैं, लेकिन इसका नुकसान लंबे समय तक कई तरह से होता है। इससे दिल का दौरा या अचानक कार्डियक अरेस्ट की स्थिति भी बन सकती है। देशभर में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं।

दूध और सोया व अंडा बेहतर विकल्प

डायटीशियन डॉ. श्वेता सिंहा का कहना है कि खिलाड़ियों को ताकत बढ़ाने के लिए सत्तू का पाउडर बनाकर दूध के साथ लेना चाहिए। यह हाई प्रोटीन का काम करता है। इसकी मदद से नेचुरल तरीके से बॉडी बनाई जा सकती है। स्पोर्ट्समैन को स्टेरॉयड से दूरी बनानी चाहिए। प्रतियोगिता से पहले सोया, दूध, सत्तू और ड्राईफ्रूट्स के सेवन मात्र से ताकत बढ़ा सकते हैं। महानगरों में स्टेरॉयड की जगह दूध से बने प्रोटीन पाउडर का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है, क्योंकि वे हाई प्रोटीन शाकाहारियों के लिए सबसे उपयोगी है।

खजूर और गाजर से मिलेगा विटामिन और मिनरल

मौसम बदलने के साथ डाइट में बदलाव से भी खुद को फिट रखा जा सकता है। डाइटिशियन व न्यूट्रिशन एक्सपर्ट डॉ. नीतू शाह ने बताया कि ठंडी चीजों को खाने से बचना चाहिए और खाने में ज्यादा से ज्यादा एंटीऑक्सीडेंट फूड को शामिल करना चाहिए। खजूर खाने से विटामिन ए और बी मिलता है। इसके अलावा शरीर भी फिट रहता है। खजूर में फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम समेत फाइबर भी काफी मात्रा में होता है। इसके अलावा गुड़ में भी भरपूर आयरन, मैग्निशियम समेत कई न्यूट्रिशन होते हैं।

प्रोटीन जरूरी, लेकिन स्टेरॉयड नहीं

जिम ट्रेनर का कहना है कि बॉडी बनाने के लिए प्रोटीन बहुत फायदेमंद है और यह पोषण का एक सुरक्षित स्रोत भी है, क्योंकि वे प्रतिरक्षा प्रणाली को नुकसान नहीं पहुंचाते। यदि इनका सेवन सही तरीके से और सही मात्रा में किया जाए तो ये किसी भी स्वास्थ्य समस्या की वजह नहीं बनते हैं। हालांकि स्टेरॉयड के लिए ऐसा नहीं कहा जा सकता है। स्टेरॉयड कृत्रिम रूप से मांसपेशियों के विकास में मदद करता हैं। स्टेरॉयड के सेवन से हृदय का आकार बढ़ भी सकता है। इससे दिल की आसपास मौजूद सतह मोटी होने लगती है, जिससे वह सही तरीके से काम नहीं कर पाता है और ब्लड सर्कुलेशन में दिक्कत होती है।

पं.बंगाल, हरियाणा, जम्मू कश्मीर सहित नौ राज्यों के विशेषज्ञ जुटे, स्कूली शिक्षा को सफल बनाने मंथन

रायपुर। जिला स्कूल शिक्षा योजना पर चयनित मॉड्यूल को साझा करने और अंतिम रूप देने क्षेत्रिय कार्यशाला आयोजित की गई। यह पांच दिवसीय कार्यशाला नीपा अर्थात नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एजूकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में छग सहित नौ राज्य हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल के कुल 36 अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस कार्यशाला में मुख्य रूप से प्रोग्रामर एवं स्कूली शिक्षा में समग्र शिक्षा स्तर से योजना बनाने वाले अधिकारियों को शामिल किया गया है। इस क्षेत्रीय कार्यशाला का मुख्य उद्देश्यजिला स्तर पर स्कूली शिक्षा की योजना बनाने और निगरानी करने में शामिल अधिकारियों की विशेषज्ञता और कौशल को बढ़ाना है। इसके लिए बनाए गए ड्राफ्ट मॉड्यूल को प्रतिभागियों के अनुभव के आधार पर यूजर फ्रेंडली बनाने की कोशिश की जा रही है। इस कार्यशाला में शामिल अधिकारियों को जिला स्तर पर स्कूली शिक्षा क्षेत्र में प्रभावी योजना बनाने के लिए आवश्यक गहन ज्ञान और व्यावहारिक उपकरणों की जानकारी प्रदान की जा रही है।

दूसरे राज्यों से पहुंचे विशेषज्ञ

शिक्षा में लागत विश्लेषण, बजट निर्धारण और संसाधन जुटाने के संभावित स्रोतों पर मॉड्यूल तैयार करने का प्रशिक्षण प्रतिभागियों को दिया जा रहा है। इसके अलावा परिणाम आधारित जिला स्कूल शिक्षा योजना तैयार करने की कार्यप्रणाली भी साझा की जा रही है। नीपा के नई दिल्ली कार्यालय से इस कार्यशाला में प्रो. पी.गीतारानी, प्रो. के बिस्वाल, डॉ. सांत्वना मिश्रा, डॉ.एनके मोहंती एवं डॉ. सुमन नेगी प्रतिभागियों को मार्गदर्शन दिया गया।

चीजों को व्यवहारिक बनाना जरूरी : इस दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि चीजों को क्रियान्वयन के लिए अधिक व्यवहारिक बनाना जरूरी है। कार्यशाला में शामिल अधिकारियों को समग्र शिक्षा की वार्षिक योजना बनाने के लिए परिणाम आधारित तकनीक बताई जा रही है। कार्यशाला में प्लानिंग से संबंधित आठ ड्राफ्ट मोड्यूल पर ब्रेन-स्टोर्मिंग कर प्रतिभागियों से सुधार एवं इसे यूजर फ्रेंडली बनाने के लिए सुझाव लिए जाएंगे। पूरी प्रक्रिया में प्रतिभागियों का क्षमता विकास भी हो सके, इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

माशिम ने तीसरी बार प्रारंभ की छात्रों के लिए हेल्पलाइन

रायपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं-बारहवीं के छात्रों के लिए हेल्पलाइन नंबर प्रारंभ की गई है। यह पहली बार है, जब माशिम द्वारा साल में तीसरी बार हेल्पलाइन नंबर का संचालन किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 से माशिम द्वारा दो बार दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। चूंकि पहली बार दसवीं-बारहवीं के लिए साल में दूसरी बार परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, ऐस में इसे लेकर छात्रों में असमंजस की स्थिति है। इसे लेकर कई तरह के सवाल छात्रों के मन में हैं। इसे दूर करने के लिए ही माशिम द्वारा हेल्पलाइन नंबर प्रारंभ की गई है। अब तक मार्च में होने वाली मुख्य परीक्षा के पहले तथा परीक्षा परिणाम आने के बाद तनाव दूर करने के लिए साल में दो बार ही हेल्पलाइन नंबर संचालित किया जाता था। छात्र 1800-2334363 पर कार्यालयीन समय में प्रातः 10.30 से संध्या 5 बजे तक सोमवार से शनिवार टोल फ्री नंबर पर फोन करके शंका समाधान कर सकते हैं। परीक्षा संबंधित प्रत्येक समस्या का समाधान इसमें किया जाएगा।

आषाढ़ माह प्रारंभ, जगन्नाथ रथयात्रा व गुरु पूर्णिमा सहित कई महत्वपूर्ण पर्व इस माह

छत्र योग में 6 जुलाई से गुप्त नवरात्रि, 20 जुलाई को शाम 5:59 पर पूर्णिमा प्रारंभ, उदया तिथि के आधार पर गुरु पूर्णिमा अगले दिन

कार्नर न्यूज

रायपुर। वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास की शुरुआत 23 जून से हो गई है। हिंदू धर्म में सभी महीनों की तरह ही आषाढ़ माह का भी विशेष महत्व बताया गया है। पंचांग के अनुसार, आषाढ़ हिंदू कैलेंडर का चौथा महीना होता है। मान्यताओं के मुताबिक सभी महीनों के नाम नक्षत्रों पर आधारित होते हैं। हर महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा जिस नक्षत्र में होता है, उस महीने का नाम उसी नक्षत्र के नाम पर रखा गया है। आषाढ़ नाम भी पूर्वाषाढ़ा और उत्तराषाढ़ा नक्षत्र पर आधारित है। आषाढ़ महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा इन्हीं दो नक्षत्रों में से किसी एक नक्षत्र में रहता है, इसलिए इसे आषाढ़ का महीना कहा गया है। आषाढ़ माह में ही भव्य पुरी जगन्नाथ यात्रा निकाली जाती है। इसके अलावा गुप्त नवरात्रि, योगिनी एकादशी से लेकर देवशयनी एकादशी तक, इस माह में कई खास व्रत त्योहार आएंगे।

मंदिरों में गुप्त रूप से होगा पूजन

नवरात्रि का दिन देवी की आराधना के लिए बेहद खास होता है। साल में कुल चार नवरात्रि होती हैं। इनमें 2 प्रत्यक्ष और दो गुप्त नवरात्रि होती है। वर्ष की दूसरी गुप्त नवरात्रि आषाढ़ मास में होगी। गुप्त नवरात्रि में अलग-अलग देवियों की पूजा होती है। इस नवरात्रि को विशेषकर 10 महाविधाओं की पूजा के लिए खास माना जाता है। बता दें कि गुप्त नवरात्रि में देवी की पूजा गुप्त रुप से की जाती है।

आषाढ़ माह के व्रत-त्योहार

- 2 जुलाई, मंगलवार- योगिनी एकादशी
- 3 जुलाई, बुधवार – प्रदोष व्रत
- 4 जुलाई, गुरुवार – मासिक शिवरात्रि
- 5 जुलाई, शुक्रवार – आषाढ़ अमावस्या
- 6 जुलाई, शनिवार – आषाढ़ गुप्त नवरात्रि
- 7 जुलाई, रविवार – जगन्नाथ रथयात्रा
- 9 जुलाई, मंगलवार – विनायक चतुर्थी
- 17 जुलाई, बुधवार – देवशयनी एकादशी
- 19 जुलाई, शुक्रवार – प्रदोष व्रत
- 20 जुलाई, शनिवार – कोकिला व्रत
- 21 जुलाई, रविवार – गुरु पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा

सावन मास की शुरुआत 22 जुलाई से

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ पूर्णिमा तिथि 20 जुलाई को भारतीय समयानुसार शाम 5 बजकर 59 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन यानी 21 जुलाई को संध्याकाल 3 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि मान है, अतः 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा या आषाढ़ पूर्णिमा या व्यास जयंती मनाई जाएगी। इसके अगले दिन अर्थात 22 जुलाई से सावन मास की शुरूआत होगी।

15 जुलाई को होगा समापन

आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्रि की शुरुआत 6 जुलाई से होगी और इसका समापन 15 जुलाई को होगा। प्रत्यक्ष नवरात्रि में मां भगवती के शैलपुत्री सहित नौ देवियों की पूजा होती है, किंतु गुप्त नवरात्रि में भगवती मां की 10 महाविद्याओं की पूजा होती है। इन्हें साधक और तांत्रिक लोग करते हैं। काली, तारा, छिन्नमस्ता, षोडशी, भुवनेश्वरी, त्रिपुर भैरवी, धूमावती, बगलामुखी, मातंगी व कमला देवियों पूजा की जाती है। 6 जून को आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा शनिवार को पुनर्वसु नक्षत्र होने कारण छत्र बनता है। छत्र योग में नवरात्रि शुभ मानी गई है। शनिवार से आरंभ होने के कारण दुर्गा माता अश्व पर सवार होकर आएंगी।

आराधना

नानकसर साहेब दर्शन के लिए गढ़फुलझर पहुंचे 100 संगत

रायपुर। रामगढ़िया सेवक सभा द्वारा पहला गुरुद्वारा दर्शन प्रोग्राम का आयोजन गुरुद्वारा बाबा बुड्ढा साहेब तेलीबांधा से 130 किलोमीटर की दूरी पर स्थित गढ़फुलझर में 517 साल पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारा नानकसर साहेब के दर्शन उपराला में किया गया। इसमें लगभग 18 गाड़ियों से 100 संगत ने पहुंचकर अपना उत्साह दिखाया। नानक सागर की संगत ने बड़े जोर-शोर से रायपुर की संगत का स्वागत किया। रायपुर की संगत द्वारा जपजी साहेब, सुखमणि साहेब, चौपाई साहेब, आनंद साहेब का पाठ कर सिमरन और कीर्तन किया और अरदास उपरांत गुरु का लंगर करवाया गया।

सभी घर गुलाबी और महिलाओं के नाम पर

गुरुद्वारे से 2 किमी दूरी पर दर्शनीय स्थान है। यहां गुरुनानक देव ने अपना समय गुजरा था। यहां 5 एकड़ का खेत गुरुनानक देव के नाम पर दर्ज है, उसका भी दर्शन किया गया। नानक सागर में सभी घर गुलाबी रंग के हैं एवं सभी घर महिलाओं के नाम पर हैं। सभी घर के सामने अशोक के पेड़ एवं गमलों में पौधे लगाए हैं। यहां के गली, रास्ते एकदम साफ-सुथरे हैं। इस ग्राम को सफाई के लिए पुरस्कृत भी किया गया है। वहां के सरपंच ने बताया, यहां इतनी शांति है कि यहां पर आज तक कभी कोई विवाद नहीं हुआ। बड़ी संख्या में महिला और पुरूषों के साथ बच्चे भी इसका हिस्सा बने।

सिटी लाइव

'हमारे बारह' में छग की अदिति महिलाओं पर केंद्रित है फिल्म

रायपुर। राजधानी निवासी अदिति भतपहरी बॉलीवुड फिल्म 'हमारे बारह' में मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। यह फिल्म महिला सशक्तिकरण व जनसंख्या नियंत्रण पर केन्द्रित शिक्षाप्रद फिल्म है, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। यह फिल्म राजधानी सहित पूरे देशभर में 21 जून को एक साथ रिलीज हुई है। अदिति ने कहा, यह फिल्म नारी जगत के लिए शिक्षाप्रद है तथा छोटा परिवार-सुखी परिवार के साथ महिला सशक्तिकरण को सपोर्ट करता है। दर्शकों को एक बार इसे जरूर देखना चाहिए। रायपुर सहित देश के अनय हिस्सों में भी यह फिल्म सराही जा रही है।

ऐसी है कहानी

इस फिल्म में मशहूर फिल्म अभिनेता अन्नू कपूर जी पिता की भूमिका में है। उनकी पुत्री (अल्फिया) का रोल अदिति भतपहरी ने बखूबी निभाई है, जिसे दर्शकों की खूब तालियां मिल रही है। अल्फिया फिल्म में अपनी मां व नारी जगत की सम्मान, रक्षा व जान को बचाने के लिए अपने तानाशाही पिता के खिलाफ अकेली कानूनी लड़ाई लड़ती है। इस दौरान उनको कई यातनाओं व तकलीफों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वे हार नहीं मानती। फिल्म में मोड तब आता है जब काफी संघर्ष के बाद भी वह अपनी मां को नहीं बचा पाती। माता के निधन के बाद उनके तानाशाही पिता की आंख खुलती है और वह अपनी पुत्री अल्फिया की लड़ाई को सही व जायज मानते हुए स्वीकार करता है।

समाज इवेंट

कॉलेज छात्र सीखा रहे इंग्लिश महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण

रायपुर। बीएसयूपी कॉलोनी तेलीबांधा में सखी फाउंडेशन की तरफ से फ्री सिलाई प्रशिक्षण एवं स्पोकन इंग्लिश क्लास प्रारंभ किया गया। इनमें से अधिकतर कक्षाएं कॉलेज छात्रों द्वारा संचालित की जा रही हैं। पढ़ाई के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में अपना योगदान देने छात्रों द्वारा यह पहल की गई है। स्पीकिंग क्लास मैट्स यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की छात्रा अदिति जैन और वैदेही ठाकुर द्वारा ली जा रही है। उन्होंने कहा, समाज के लिए कुछ अच्छा करने के लिए ना सिर्फ अपनी पढ़ाई करना जरूरी है, बल्कि समाज की सभी महिलाओं और बच्चों को शिक्षित करना जरूरी है। इस अभियान में फाउंडेशन की अध्यक्ष नीलम सिंह, ममता जोशी, कल्याणी दुबे, दिनेश व ममता नायक द्वारा भी सहयोग दिया जा रहा है।

80 बच्चे और 180 महिलाएं

वर्तमान में कक्षाओं में 80 बच्चे हैं। बच्चों की माताएं भी इंग्लिश सीख रही हैं। सखी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। 15 जून से इन कक्षाओं की शुरुआत हुई है। 180 महिलाएं इस प्रशिक्षण का लाभ उठा रही हैं। प्रतिमा शुक्ला साथ जी द्वारा सिलाई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्था द्वारा महिलाओं की सुविधा को देखते हुए समय का निर्धारण किया गया है, ताकि अधिक से अधिक इसका लाभ उठा सकें।

● छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा सोमवार से प्रारंभ, 27 जून तक पर्चे

पीएससी ने पूछा- 'आज के बासी काल के भात, अपन घर में का के लाज' सहित चोंचकारी, बरदी व कोलकी का अर्थ

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा पीएससी-2023 मेंस की शुरुआत 24 जून से हो गई। ये परीक्षाएं 27 जून तक चलेंगी। विषयवार अभ्यर्थियों के लिए दिन निर्धारित किए गए हैं। इस परीक्षा के जरिए 242 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसमें विभिन्न विभागों के पद शामिल हैं। फरवरी में हुई प्रारंभिक सेवा परीक्षा के आधार पर मुख्य परीक्षा के लिए 3 हजार 597 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

रायपुर। परीक्षा के लिए रायपुर सहित बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर और दुर्ग में सेंटर बनाए गए हैं। 24 से 27 जून तक 7 पेपर होंगे। प्रथम दिवस पहली पाली में भाषा की परीक्षा हुई। परीक्षा दो पालियों में सुबह 9 से 12 बजे तक और दोपहर 2 से 5 बजे तक ली गई।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जे.आर. दानी गर्ल्स स्कूल में पीएससी द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अधिकारियों को केंद्र में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सुरक्षा और साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए।

हिंदी ने रूलाया

भाषा के अंतर्गत हिंदी, इंग्लिश और छत्तीसगढ़ी के सवाल पूछे गए। इंग्लिश और छत्तीसगढ़ी के सवाल औसत रहे, लेकिन हिंदी के सवालों का स्तर अपेक्षाकृत कठिन रहा। इसमें पूछे गए व्याकरण के सवालों ने विशेष रूप से परीक्षार्थियों को परेशान किया। इसके उलट छत्तीसगढ़ और इंग्लिश के सवालों ने परीक्षार्थियों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी। दूसरी पाली में हुए निबंध के पर्चे में अभ्यर्थियों को दिए गए विषय भी स्तरीय रहे। हिंदी के अंतर्गत कारक, प्रत्यय, संज्ञा, सर्वनाम के प्रश्न जटिल रहे। क्ष वर्ण का निर्माण किन ध्वनियों से हुआ है, अध्यक्ष में कौन सा उपसर्ग है, जैसे सवाल भी पूछे गए।

94.4% रहा उपस्थिति का आंकड़ा

रायपुर में इस परीक्षा के लिए तीन केंद्र बनाए गए हैं। दानी गर्ल्स स्कूल, हिंदू हाई स्कूल और पीजी उमाठे कन्या शाला में इसके लिए केंद्र बनाए गए। मुख्य सेवा परीक्षा के लिए चयनित 3597 अभ्यर्थियों में से 918 कैंडिडेट रायपुर के रहे। इनमें से 51 अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे हैं। इस तरह उपस्थिति का आंकड़ा 94.4% रहा। पहले दिन भाषा और निबंध की परीक्षा हुई। दूसरे दिन अर्थात मंगलवार को द्वितीय प्रश्नपत्र के अंतर्गत संविधान, इतिहास और लोक प्रशासन के सवाल पूछे जाएंगे। तृतीय प्रश्नपत्र के अंतर्गत विज्ञान, गणित और टेक्नोलॉजी के पर्चे होंगे।

ऐसे रहे भाषा के सवाल

- इन शब्दों का पूछा पर्यायवाची- लिप्सा, प्रयाण, निरूपम, निराभिष
- इनके पूछे विलोम- अवनति, तामसिक, समष्टि, विकीर्ण
- इन शब्दों का तत्सम रूप- ढीठ, चांदनी, दूल्हा, आज
- इनके तद्भव रूप- क्वाथ, निर्वहन, महापात्र, श्रृंगार
- ख्याली पुलाव पकाना, बिल्ली के गले में घंटी बांधना, कहीं का ईंट कहीं का रोढ़ा भानमति ने कुनबा जोड़ा, जहां देखे तवा परात वहां गुजारे सारी रात... मुहावरों का अर्थ।

पीईटी के मॉडल आंसर जारी

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा सोमवार को पीईटी के मॉडल आंसर जारी कर दिए गए हैं। 13 जून को प्रातः 9 से 12.15 तक एक पाली व्यापम ने यह परीक्षा ली थी। इसके लिए प्रदेश के 32 जिलों में केंद्र बनाए गए थे। 24 जून को मॉडल आंसर जारी किए जाने के बाद एक जुलाई तक इस पर आपत्ति मंगाई गई है। इसके पश्चात दावा आपत्तियों का निराकरण करते हुए व्यापम द्वारा अंतिम परिणाम जारी कर दिए जाएंगे। दावा आपत्ति दर्ज कराने के लिए छात्रों को प्रत्येक प्रश्न पर 50 रुपए की राशि का भुगतान करना होगा। दावा आपत्ति विषय विशेषज्ञों द्वारा मान्य होने पर छात्रों द्वारा जमा राशि वापस कर दी जाएगी। इससे संबंधित प्रक्रिया और अन्य विस्तृत जानकारी व्यापम द्वारा अपने आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

एक्सपर्ट व्यू : पीएससी ने बनाए रखा स्तर

एक निजी कोचिंग इंस्टिट्यूट के संचालक और पीएससी विशेषज्ञ अंकित अग्रवाल के अनुसार, पीएससी ने अपना स्तर बनाए रखा है। भाषा के सवाल अच्छे रहे हैं। पीएससी विवाद के बाद यह पहली बड़ी परीक्षा है। ऐसे में अपने स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखने की भी पूरी कोशिश छग लोक सेवा आयोग द्वारा की गई है। भाषा सहित निबंध के सवाल भी स्तरीय रहे हैं। कहीं किसी प्रश्न में त्रुटि अथवा खामी अब तक सामने नहीं आई है।

खुसरा चिरई के बिहाव किसकी रचना?

छत्तीसगढ़ी भाषा के अंतर्गत अभ्यर्थियों से मेंढक, चटाई और औरत जैसे शब्दों का अनुवाद छत्तीसगढ़ी में करने कहा गया। चोंचकारी, बरदी, डंडा पचरंगा, कोलकी व दरचुरा जैसे शब्दों के अर्थ हिंदी में पूछे गए। 'कल के बासी आज के भात, अपन घर में का के लाज' जैसी लोकोक्तियों के आशय भी पूछे गए। खुसरा चिरई के बिहाव सहित अन्य छत्तीसगढ़ी साहित्य आधारित सवाल भी पूछे गए। इस तरह के प्रश्न छत्तीसगढ़ी भाषा के अंतर्गत पूछे गए-

- फिरता और कोढ़निन का स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग लिखिए।
- छत्तीसगढ़ भाषा का उद्भिकास के रचनाकार का नाम।
- छत्तीसगढ़ी भाषा में कितने व्यंजन प्रयुक्त होते हैं?
- झंझरी के लेखक कौन हैं?
- लोकव्यवहार और कार्यालयीन छत्तीसगढ़ी के लेखक कौन हैं?
- छत्तीसगढ़ी बोली का व्याकरण किसकी रचना है?
- मयारु माटी पत्रिका के संपादक का नाम क्या है?
- छत्तीसगढ़ी गीतों का राजा किस गीत को माना गया है?
- छत्तीसगढ़ की प्राचीन प्रेमगाथाओं में किसी एक का नाम लिखिए।
- छत्तीसगढ़ के किस कवि के नाम से छत्तीसगढ़ में विश्वविद्यालय की स्थापना की
- ओस चांटे ले पियास नई बुझावे, का हिन्दी रूपान्तरण।
- हम सभी आदमी आए थे, का छत्तीसगढ़ी अनुवाद करें।

शहर में आज से होगी जिनवाणी की वर्षा 15 को जैन मुनि करेंगे चातुर्मासिक प्रवेश

रायपुर। शहर में 17 जुलाई से चातुर्मास शुरू होने जा रहा है। एक ही जगह धर्मसभा लगाकर लोगों चार महीने प्रवचन देने जैन साधु-साध्वियों ने पद विहार करना शुरू कर दिया है। 10 जुलाई से जैन संतों का राजधानी में जैन मंदिरों में बैंड-बाजे के साथ मंगल प्रवेश होगा। शहर में 7 जगहों से साधु-संत अध्यात्म की गंगा बहाएंगे। दादाबाड़ी, भैरव सोसायटी समेत अन्य जगहों पर चातुर्मास समिति ने तैयार पूरा कर ली है। जैन मान्यतानुसार चातुर्मास आषाढ़ शुक्ल चौदस से प्रारंभ होकर कार्तिक पूर्णिमा तक चलता है। शहर के सभी जिनालयों और उपाश्रयों में जप-तप और अनुष्ठानों का सिलसिला जुलाई से शुरू हो जाएगा।

रोज आधा लीटर गर्म पानी ही पीते रहे

जैन संत विरागमुनि ने मानव कल्याण के भाव से 15 जनवरी 2023 को महाराष्ट्र के चंद्रपुर से आहार का त्याग किया था। इसके बाद से वे रोज आधा लीटर गर्म पानी ही पीते रहे। खास बात यह है कि सूरज अस्त होने के पहले गर्म पानी की अंतिम बूंद जो ले ली वही उनका आहार था। इसके बाद वे रायपुर पहुंचे और 200 किलोमीटर का पैदल विहार करने के बाद उन्होंने बालाघाट में पारणा किया था।

विरागमुनि का आज 104 उपवास

रायपुर में 20 जुलाई से जैन संत विरागमुनि का चातुर्मास प्रारंभ होने जा रहा हैं। सोमवार को उन्होंने अपना 103वां उपवास पूरा कर लिया है और मंगलवार को उनका 104 उपवास होगा। इन उपवास के बाद पारणा वे उनके द्वारा लिए गए संकल्प पूर्ण होने के बाद करेंगे। उपवास के दौरान वे केवल गर्म पानी का सेवन करते हैं। उल्लेखनीय है कि संत विराग मुनि के उपवास ने पिछले वर्ष एक नया इतिहास रचा था। 5 जुलाई 2023 को बालाघाट में उन्होंने 171 उपवास पूर्ण कर पारणा किया था। विज्ञान के विपरित अध्यात्म के सहारे इतने उपवास करने वाले विराग मुनि दो माह और उपवास कर सकते थे। लेकिन भगवान महावीर से की जा रही उनकी तुलना से उन्होंने प्रभुश्री की मर्यादा का पालन किया। 171 वें उपवास के बाद उन्होंने पारणा कर लिया। भगवान महावीर के 5 माह 25 दिन उपवास के बाद विराग मुनि ऐसे पहले जैन संत बने, जिन्होंने यह उपवास किया है।

जानिए... कहां, कब ले सकते हैं जिनवाणी का आनंद

राजधानी की पावन धरा पर 25 जून मंगलवार से जिनवाणी की वर्षा होने जा रही है। विनयकुशल मुनि, नंदीशेण मुनि, विरागमुनि, भव्यमुनि एवं साध्वी जयशिशु विरतियशा, साध्वी विनम्रयशा की पावन निश्रा में जिनवाणी की वर्षा होने जा रही है। इसी क्रम में 25 जून को आनंदम सीटी के क्लब हाउस में सुबह 5.30 बजे, 26 जून को शंकर नगर के संदीप भवन, 27 एवं 28 जून को राजेंद्र नगर स्थित महावीर स्वामी जिनालय, 29 एवं 30 जून को देवेंद्र नगर स्थित शीतलनाथ जिनालय, 1 जुलाई को चौबे कॉलोनी स्थित पार्श्वनाथ जिनालय, 2, 3 एवं 4 जुलाई को वालफोर्ट सिटी, 5, 6 एवं 7 जुलाई को विवेकानंद नगर, 8 जुलाई को लाल गंगा रिजेंसी, 9 जुलाई को समता परिसर, 10 जुलाई को वालफोर्ट इन्क्लेव, 11 एवं 12 जुलाई को भैरव सोसायटी और 13 एवं 14 जुलाई को सदर बाजार में जिनवाणी की वर्षा होने वाली है। इसके पश्चात 15 जुलाई को दादाबाड़ी में भव्य चातुर्मासिक होगा। आत्मस्पर्शी चातुर्मास समिति 2024 के अध्यक्ष पारस पारख और महासचिव नरेश बुरड़ ने सभी से जिनवाणी का अधिकाधिक लाभ लेने की अपील की है।

पहली बार छग में महिला बिशप दिल्ली में चुनाव, अभिषेक आज

रायपुर। छत्तीसगढ़ डायसिस की नई बिशप पादरी सुषमा कुमार चुनी गई हैं। दिल्ली में सोमवार को चर्च ऑफ नार्थ इंडिया के सिनड मुख्यालय में नए बिशप का चुनाव हुआ। सिनड और छत्तीसगढ़ डायसिस के डेलिगेट ने उनका चयन किया। छत्तीसगढ़ डायसिस को पहली बार महिला बिशप और छत्तीसगढ़िया बिशप मिला है। बिशप सुषमा सेवक, डीकन और पादरी के रूप में भाटापारा, तिल्दा व महासमुंद में सेवकाई दी चुकी हैं।

25 जून को दिल्ली में नए बिशप का पवित्र अभिषेकीकरण 16 पंडित पंत मार्ग सिनड मुख्यालय के चैपल में होगा। राजधानी में सेंट पॉल्स कैथेड्रल में 29 जून को उनकी सेवकाई का पदभार ग्रहण आराधना होगी। वे मूलतः महासमुंद की निवासी हैं। इस मौके पर छत्तीसगढ़ डायसिस के सचिव नितिन लॉरेंस, कोषाध्यक्ष जयदीप रॉबिंसन सहित पादरीगण मौजूद रहे। अब तक प्रभारी बिशप के रूप में बिशप एसके नंदा छत्तीसगढ़ डायसिस को संभाल रहे थे।

डेढ़ महीने पहले प्रारंभ हुई थी प्रक्रिया

बिशप चयन की प्रक्रिया करीब डेढ़ महीने प्रारंभ हो गई थी। सिनड के मॉडरेटर द मोस्ट राइट रेवरेंड बीके नायक प्रीसाइडिंग ऑफिसर थे। प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल ने बताया कि इसके लिए एक सर्च कमेटी का भी गठन किया गया था। तीन वरिष्ठ पादरियों में पादरी सुषमा कुमार तिल्दा, पादरी प्रणय टोप्पो अंबिकापुर व पादरी शैलेष सालोमन बिलासपुर ने नामांकन फार्म भरकर दावेदारी की थी। सर्च कमेटी की जांच में तीनों के नामांकन पत्र वैध पाए गए थे।

एक महीने चला मतदान, फिटनेस टेस्ट भी

24 मई को उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी इसके बाद से एक महीने का वक्त मतदान के लिए था। फिटनेस टेस्ट के लिए मेडिकल चैकअप से उम्मीदवारों को गुजरना पड़ा। सीएनआई के तय अस्पताल को इस प्रक्रिया के निर्धारित किया गया था। उम्मीदवारों को इंटरव्यू भी देना पड़ा। इसके जरिए यह आंका गया कि वे आत्मिक सेवकाई डायसिस के प्रशासनिक मार्गदर्शन के लिए कितने सक्षम हैं। इस पद के लिए इस बार केवल छत्तीसगढ़ से ही तीन पादरियों ने दावेदारी की थी। हालांकि इसके लिए देश में सीएनआई का कोई भी पात्र वरिष्ठ पादरी उम्मीदवारी कर सकते हैं। प्रत्याशियों के लिए वोटिंग देशभर के 20 चयनित डेलिगेट ने की।

कार्नर न्यूज

ओडिशा के पिपली गांव से लाया गया पहिया रथ में लगा

पुरी में निकलने वाले रथ की तर्ज पर एक ही पेड़ की लकड़ी से बने आठों पहिए, कारीगरों ने एक महीने में किया तैयार

रायपुर। सदरबाजार में करीब 200 साल पुराना एक ऐसा जगन्नाथ मंदिर है, जो किसी ट्रस्ट या समिति के माध्यम से संचालित नहीं होता है, बल्कि भगवान जगन्नाथ की सेवा एक ही परिवार की आठवीं पीढ़ी द्वारा की जा रही है। इस मंदिर से भी हर साल धूमधाम से रथ यात्रा निकाली जाती है। मंदिर के पं. मोहित पुजारी ने बताया कि इस मंदिर में एक ही रथ तैयार किया जाता है। इसमें खास बात यह है कि 2017 से पहले निकलने वाली रथ यात्रा में चार चक्के वाला रथ ही सजाया जाता था। इसके बाद से रथ यात्रा को पुरी की तर्ज पर निकालने की परंपरा शुरू की गई। सात साल बाद रथ के सभी आठ पहिए इस साल बदले गए हैं। इसे बनाने की जिम्मेदारी इस बार 6 काष्ठ शिल्पियों ने निभाई है।

जोड़ने के लिए लगे नट-बोल्ट

पुजारी ने बताया कि इस रथ की खास बात यह भी है कि इसमें लोहे का उपयोग सिर्फ रथ के पहियों को जोड़ने के लिए नट-बोल्ट के रूप में ही उपयोग किया गया है। इसके अलावा बेरिंग या अन्य कोई उपकरण लोहे का नहीं लगा है। शहर में सजाए जाने वाले रथों में यह इसलिए भी अलग पहचान रखता है क्योंकि इसके पहियों का निर्माण भी पूरी की तर्ज पर पिपली गांव के कारीगरों द्वारा ही हर सात साल में किया जाता है।

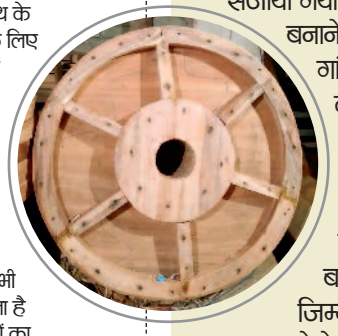

तीन महीने पहले दिया ऑर्डर

इस साल निकलने वाली रथ यात्रा में आठ पहिए वाला भगवान जगन्नाथ का रथ सजाया गया है। इसमें लगे पहियों को बनाने के लिए ओडशा के पिपली गांव में रहने वाले कारीगरों को तीन महीने पहले आर्डर दिया गया था। नीम के एक ही पेड़ की लकड़ी से तैयार किए गए आठ पहिए को कारीगरों ने वहीं बनाने के बाद रायपुर पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाई। इसे रथ में लगाने के बाद उन्होंने ही जगन्नाथ के रथ को सजाया है।

सिटी स्पोर्ट्स

श्रेयांस को हराकर संत ज्ञानेश्वर के ओम बसक बने बैडमिंटन के विजेता

रायपुर। बैडमिंटन चैंपियनशिप के अंडर 19 वर्ग में महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर स्कूल (एसडीवी) के छात्र ओम बसक ने अपने प्रतिद्वंदी श्रेयांश पाठक को 15-21, 21-13, 21-17 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं, अंडर-19 बालिका वर्ग में इशिका पोद्दार ने रोमांचक मुकाबले में तिष्या मुक्ता को हराया। विजेता खिलाड़ियों को ऑल इंडिया बैडमिंटन फेडरेशन के सचिव व जूनियर इंडिया कोच संजय मिश्रा ने पुरस्कृत किया।

जिला बैडमिंटन संघ की ओर से नगर निगम के सप्रे शाला बैडमिंटन हॉल में आयोजित जूनियर व सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा का फाइनल रविवार को खेला गया। जिला संघ के सचिव अनुराग दीक्षित ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों का बिलासपुर में 24 से 28 जुलाई तक होने वाली राज्य स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम में चयन किया गया है। विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को 21 हजार रुपए की पुरस्कार राशि और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया है।

एसडीवी के प्राचार्य मनीष गोवर्धन ने बताया कि ओम बसक पिछले पांच वर्षों से विभिन्न नेशनल प्रतियोगिता में भी भाग लेते रहे हैं और विजयी भी हुए है। स्कूल में कई ऐसे छात्र हैं, जो विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा पहले भी दिखा चुके हैं, वहीं कई अच्छे खिलाड़ी स्कूल में अध्ययनरत हैं, जिन्हें खेलकूद में गाइड किया जाता है।

ऊर्जावान बना सकते हैं और बीमारियों से भी बचा सकते हैं

मानसून में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने से लिए खिलाएं पौष्टिक खाद्य पदार्थ

मानसून के आगमन से पहले स्वास्थ्य को मजबूत रखना जरूरी होता है। इस मौसम में बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है, जिसके कारण उन्हें डेंगू, मलेरिया या फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों की डाइट में प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ शामिल करने से आप उन्हें ऊर्जावान बना सकते हैं और बीमारियों से बचा सकते हैं। इस मानसून में अपने बच्चों को ये प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थ खिलाएं।

पालक

पालक आयरन, विटामिन ए, सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे आवश्यक पोषक तत्वों से भरपूर एक सुपरफूड है। मानसून के मौसम में प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयरन स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाओं के उत्पादन में सहायता करता है, जबकि विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट शरीर को मुक्त कणों से बचाते हैं।

खट्टे फल

आप मानसून के दौरान अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए उन्हें खट्टे फल खिला सकते हैं। आप सुबह के नाश्ते में बच्चों को संतरे, चकोतरा, मोसंबी आदि जैसे सिट्रस फलों का सलाद बनाकर या जूस बनाकर सेवन कराएं। इन फलों को खाने से बच्चे का शरीर बीमारियों से लड़ने में अधिक सक्षम बनता है और सर्दी-जुखाम का खतरा भी कम हो जाता है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध एक बेहतरीन इम्यूनिटी बूस्टर है, जिसे गोल्डन मिल्क भी कहा जाता है। इसमें कई शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होता हैं, जिनके कारण इसके सेवन से बच्चों को बीमारियों से बचाया जा सकता है। रात को सोने से पहले बच्चों को एक गिलास गरमा-गरम हल्दी वाला दूध पिलाएं। आप चाहें तो इसका स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें चीनी या शहद भी मिला सकते हैं।

ताजे फल और दही

दही एक प्रोबायोटिक युक्त डेयरी उत्पाद है, जो आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। दही को पपीता, अनार और जामुन जैसे मौसमी फलों के साथ मिलाने से इसका पोषण मूल्य बढ़ जाता है। यह स्वादिष्ट मिश्रण मानसून के नमी भरे दिनों में पेट को ठंडा भी रखता है। आप चाहें तो दही में फलों के साथ-साथ अपनी पसंद के मेवे शामिल करके भी बच्चों को खिला सकते हैं।

बादाम

विटामिन-ई से भरपूर बादाम एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है। अपने बच्चों के खान-पान में रोजाना बादाम शामिल करने से उनकी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया मजबूत हो सकती है, जिससे उन्हें मानसून के ठंडे मौसम के दौरान आम बीमारियों से बचाने में मदद मिल सकती है।

मानसून के मौसम में बनाएं हैवी खाद्य पदार्थों से दूरी, हो सकता है नुकसान

देश के कई हिस्सों में मानसून का आगमन हो चुका है। हालांकि, उत्तर भारत के कुछ क्षेत्र अभी भी भीषण गर्मी की चपेट में हैं। मानसून का मौसम शुरू होने से पहले आपको अपनी डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। बारिश के दौरान स्वस्थ रहने के लिए आपको कुछ खाद्य पदार्थों से दूरी बनानी चाहिए। मानसून में कुछ खाद्य पदार्थों को खाने से आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है और पेट संबंधी परेशानियां हो सकती हैं।

पत्तेदार सब्जियां : मानसून के दौरान आपको खान-पान में पत्तेदार सब्जियों को शामिल नहीं करना चाहिए। इस मौसम में पर्यावरण में नमी बढ़ जाती है, जिसके कारण पत्तेदार सब्जियों के दूषित होने का खतरा रहता है। ऐसे में आपको पत्तागोभी, पालक और धनिया जैसी सब्जियां नहीं खानी चाहिए। बारिश के दौरान इन सब्जियों में कीड़े भी लग सकते हैं, जिनसे आप बीमार पड़ सकते हैं। इन हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

स्ट्रीट फूड : बारिश के कारण पर्यावरण में कई सारे प्रदूषक तत्व जमा हो जाते हैं। सड़कों पर जमा पानी और खुली नालियां बैक्टीरिया और वायरस के लिए प्रजनन स्थल बन जाती हैं। ये हानिकारक बैक्टीरिया सड़क के किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थों में प्रवेश करके उन्हें दूषित कर सकते हैं। इस मौसम में आपको पकौड़े, समोसे, मोमो आदि जैसे स्ट्रीट फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप मानसून में बाहर का भोजन खाना चाहते हैं तो किसी स्वच्छ रेस्तरां में जाएं।

पहले से कटे रखे हुए फल

इन दिनों पहले से कटे हुए फल बिकने लगे हैं। ये सुविधाजनक होते हैं, लेकिन लंबे समय से कटे होने के कारण इनका पोषण खत्म हो जाता है। रेहड़ी-पटरी वालों द्वारा बेचे जाने वाले पहले से कटे हुए फलों को ठीक से धोया या संग्रहीत नहीं किया जाता है। मानसून के कारण ये फल दूषित हो सकते हैं या जल्दी ही सड़ भी सकते हैं। आप बाजार से समूचे फल खरीदें और उन्हें अच्छी तरह साफ करके खुद ही काटें।

दूध, दही, पनीर सहित अन्य डेयरी उत्पाद

नमी वाले मानसून के मौसम में दूध, दही और पनीर जैसे डेयरी उत्पाद जल्दी खराब हो सकते हैं। ऐसे में आप अच्छी दुकानों और ब्रांड द्वारा ताजे तैयार किए गए डेयरी उत्पादों का चयन करें। साथ ही पैकेट वाले डेयरी उत्पादों को खरीदने से पहले उनकी एक्सपायरी डेट जरूर जांच लें। दूध या दही को बहुत अधिक समय तक घर पर स्टोर करके न रखें, वरना वे खट्टे हो सकते हैं।

तला हुआ खाना

पकोड़े, स्प्रिंग रोल और समोसे जैसे तले हुए खाद्य पदार्थ मानसून के दौरान लोकप्रिय स्नैक्स होते हैं। हालांकि, अधिक वसा होने के कारण इन्हें पचाना मुश्किल हो सकता है। इनके बजाए आपको मानसून के दौरान उबले हुए खाद्य पदार्थों का चुनाव करना चाहिए।

इस सप्ताह इन राशियों पर मेहरबान रहेंगी मां लक्ष्मी

नए सप्ताह की शुरुआत आज 24 जून से होगी। यह सप्ताह अपने साथ बहुत कुछ लेकर आने वाला है। आने वाले सप्ताह में कई राशियों को ग्रहों के गोचर से बनने वाले शुभ योग का लाभ मिलेगा। आइए जानते आने वाले सप्ताह में किन राशियों को मां लक्ष्मी की कृपा मिलने वाली है।

वृषभ राशि

आने वाला सप्ताह वृषभ राशि के लोगों के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। इस सप्ताह इस राशि के लोगों पर मां लक्ष्मी मेहरबान रहेंगी। आपको मान-सम्मान का खूब लाभ मिलेगा। आपको ज्यादातर कार्यों में सफलता मिलेगी। कॅरियर के क्षेत्र में आप एक नई पहचान बनाएंगे। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। आपके सारे अटके काम पूरे हो जाएंगे। इस सप्ताह कुछ लोग किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। इस सप्ताह इस राशि के लोगों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

सिंह राशि

सिंह राशि वालों के लिए यह सप्ताह बहुत अच्छा रहने वाला है। इस राशि के जो लोग व्यापार से जुड़े हैं, उन्हें खूब लाभ होगा। आप कोई नई डील फाइनल कर सकते हैं। आपको दोस्तों और परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। पार्टनर के साथ आपके रिश्ते मजबूत बनेंगे। आने वाले सप्ताह में सिंह राशि के लोग करियर में कोई महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं जिससे उन्हें खूब लाभ होगा। इस राशि के लोग अपनी नेतृत्व क्षमता की वजह से नौकरी में तरक्की करेंगे। आपको आय के नए स्त्रोत मिलेंगे।

धनु राशि

साप्ताहिक राशिफल के अनुसार आने वाले सप्ताह में धनु राशि के लोग अपनी बुद्धिमानी और मेहनत का पूरा लाभ उठाएंगे। ऑफिस में लोग आपकी कार्यक्षमता से प्रभावित होंगे। बॉस आपके काम से प्रसन्न होंगे। आपको कहीं से नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। कुछ लोगों के विदेश जाने के भी योग बनेंगे। इस सप्ताह धनु राशि के लोगों को कहीं से नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है। व्यापार में अच्छा मुनाफा कमाएंगे। आपको किसी पुराने निवेश से लाभ प्राप्त होगा। आपको पुरान रुका हुआ धन मिल सकता है। आपके सुख-सौभाग्य में वृद्धि होगी।

इन मूलांक वालों पर रहेगी बजरंगबली की कृपा, इस सप्ताह होगा जबरदस्त लाभ

अंक ज्योतिष में मूलांक का बहुत महत्वपूर्ण होता है। जन्म महीने की तारीख को इकाई के अंक में बदलने के बाद जो अंक मिलता है उसे मूलांक कहते हैं। यह मूलांक 1 से 9 अंक के बीच होता है। आने वाला हफ्ता कुछ मूलांक वालों के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। इस महीने कुछ मूलांक वालों को हनुमान जी की कृपा मिलने वाली है। अंक ज्योतिष राशिफल से जानते हैं इस हफ्ते के लकी मूलांक के बारे में।

मूलांक 1

मूलांक 1 के लोगों के लिए आने वाला सप्ताह आर्थिक रूप से बहुत अच्छा रहने वाला है। इस हफ्ते आपको रुका हुआ धन मिल सकता है। व्यापार करते हैं तो यह समय आपके लिए बहुत अनुकूल रहने वाला है। इस सप्ताह आपके प्रेम संबंध सकारात्मक रूप से आगे बढ़ेंगे। रिश्ते में चल रही गलतफहमियां दूर हो जाएंगी। वरिष्ठ और सहकर्मी का पूरा सहयोग मिलेगा। इस सप्ताह आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा।

मूलांक 3

मूलांक 3 के लोगों के लिए यह सप्ताह बहुत अच्छा रहेगा। आपको कई नए शानदार अवसर मिलेंगे। इस समय आपका रुझान आध्यात्मिकता की ओर बढ़ सकता है। परिवार के साथ किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। प्यार भरे व्यवहार से आपका रिश्ता पहले से बेहतर होगा। शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन अच्छा होगा।

मूलांक 5

मूलांक 5 वालों के लिए यह सप्ताह बहुत सकारात्मक रहने वाला है। खासतौर से जो लोग प्रेम संबंध में हैं उन्हें विशेष लाभ होगा।
छात्र शिक्षा के स्तर को सुधारने पर ध्यान देंगे। इस सप्ताह आपको अपने करियर में कई नए अवसर मिलेंगे और आप प्रगति करेंगे। कहीं से अच्छी नौकरी का ऑफर भी आ सकता है। इस सप्ताह आपकी सेहत अच्छी रहेगी।

मूलांक 9

इस सप्ताह मूलांक 9 वाले लोग कार्यक्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। आपकी प्रोडक्टिविटी और परफॉर्मेंस अच्छी रहेगी। इस सप्ताह आप बहुत शांत और समझदारी के साथ कार्यों को अंजाम देंगे। इस सप्ताह आप कुछ नए लोगों से मिल सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लोगों को सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। इन लोगों को इस सप्ताह आय बढ़ाने के कई नए अवसर मिलेंगे। आप ऊर्जावान रहेंगे और प्रभावी ढंग से अपनी बात दूसरों के सामने रख पाएंगे। यह सप्ताह आपके लिए उत्तम परिणाम लेकर आएगा।

राहु जल्द करेंगे नक्षत्र परिवर्तन इन राशियों को होगा बड़ा धन लाभ

राहु को ज्योतिष में छाया ग्रह माना जाता है। राहु 18 महीने के बाद अपना राशि परिवर्तन करते हैं। जल्द ही राहु का नक्षत्र गोचर होने वाला है। राहु को एक पापी और नकारात्मक ग्रह माना जाता है।

राहु अपनी दशा और स्थिति के अनुसार परिणाम देता हैं। राहु अभी मीन राशि में है और साल 2025 तक इसी राशि में रहेगा। राहु और केतु समय-समय पर नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। राहु 8 जुलाई को शनि के नक्षत्र उत्तराभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। राहु का नक्षत्र परिवर्तन कुछ राशियों को विशेष फल देने वाला है। जानते हैं कि राहु किन राशियों को बड़ा धन लाभ कराने वाले हैं।

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए 8 जुलाई से होने वाले राहु का नक्षत्र परिवर्तन बहुत शुभ रहने वाला है। इस राशि के स्वामी शुक्र देव हैं जो राहु के मित्र हैं। ऐसे में राहु का नक्षत्र परिवर्तन वृषभ राशि के लोगों को उत्तम परिणाम देने वाला है। कार्यक्षेत्र में खूब सफलता मिलेगी।
इस राशि के लोगों का राहु खूब धन लाभ कराएगा। आप बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके सारे अटके हुए काम जल्द पूरे होंगे।इस राशि के लोगों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

तुला राशि

राहु आपके छठे भाव में नक्षत्र परिवर्तन करेंगे। इससे आपको अनुकूल फलों की प्राप्ति होगी। राहु के नक्षत्र परिवर्तन के बेहद शुभ परिणाम आपको मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आकस्मिक धन लाभ हो सकता है। आपकी आर्थिक स्थिति में पहले के मुकाबले बहुत अच्छी होगी। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपके पदोन्नति और वेतन में वृद्धि की संभावनाएं बढ़ेंगी. बिजनेस में लाभ मिलेगा।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि वालों के लिए राहु का नक्षत्र परिवर्तन बहुत ही लाभकारी रहने वाला है। आपको व्यापार में लाभ होगा। नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। राहु आपको लाभ कमाने के कई मौके देने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी। आप जो भी काम करेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। राहु आप पर पूरी तरह मेहरबान रहने वाले हैं।

कार्नर न्यूज

फुटवियर कलेक्शन को विकल्पों के साथ अपग्रेड करना आवश्यक

मानसून में महिलाओं के पास होने चाहिए स्टाइलिश व सुरक्षित फुटवियर्स

मानसून के आगमन के साथ अपने फुटवियर कलेक्शन को उन विकल्पों के साथ अपग्रेड करना आवश्यक है, जो स्टाइलिश लगने के साथ-साथ फिसलन से बचा सकें। इस मौसम में फुटवियर्स वॉटरप्रूफ भी होने चाहिए। अगर आप बंद फुटवियर्स पहन लेती हैं और इनमें बारिश का पानी चला जाता है, जिसके कारण पैरों में फंगल इंफेक्शन की समस्या हो सकती है। आइए जानते हैं कि मानसून में महिलाएं किन-किन फुटवियर्स को अपने फैशन का हिस्सा बना सकती हैं।

गमबूट

गमबूट मानसून के लिए आदर्श फुटवियर्स हैं, जो गंदगी और बारिश के पानी से पूरी सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये वॉटरप्रूफ जूते पैरों के लिए आरामदायक भी होते हैं। डिजाइन में लंबे ये जूते पैरों को फुल कवरेज प्रदान करके पानी, कीचड़ और मलबे से त्वचा को सुरक्षित रख सकते हैं। यही नहीं, इन्हें साफ करना आसान है और ये फिसलन से बचाने में भी सहायक हैं, जिसके परिणामस्वरूप इन्हें पहनने से गिरने के जोखिम कम होता है।

क्लाग्स फुटवियर्स

ये फुटवियर्स भी मानसून फैशन के लिए एक लोकप्रिय विकल्प बन गए हैं। ये हवादार, हल्के और वॉटरप्रूफ होने का एक अनूठा संयोजन प्रदान करते हैं, जो इन्हें मौसम के लिए एकदम सही बनाता है। आजकल मार्केट में कई तरह के रंग और डिजाइन में क्लाग्स फुटवियर उपलब्ध हैं।

रबड़ की सोल वाली सैंडल

बारिश के कारण फिसलने की संभावना बहुत बढ़ जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप मानसून के दौरान रबड़ की सोल वाली सैंडल पहनें। दरअसल, रबड़ की सोल वाली सैंडल की पकड़ अच्छी होती है। इसे पहनने के बाद आपको कहीं भी फिसलने का डर नहीं रहेगा। इसके अलावा सैंडल पहनने में बेहद आरामदायक होती हैं और इनके कारण पैर कीचड़ या पानी से भी सुरक्षित रहते हैं।

फ्लिप फ्लॉप

रबर और प्लास्टिक की फ्लिप फ्लॉप आपके पैरों को बारिश के पानी से बचा सकते हैं, जब आपको बारिश में घर से कहीं बाहर जाना हो तो इन्हें पहनना अच्छा है। इन्हें रोजाना पहनना भी आरामदायक है क्योंकि इनसे पैरों में अच्छे से हवा लगती रहती है। वैसे आजकल बाजार में कई तरह के फ्लिप फ्लॉप फुटवियर्स आ गए हैं, जिन्हें आप अपने साइज और पसंद के अनुसार अपने फैशन का हिस्सा बना सकते हैं।

फ्लैट स्ट्रैपी सैंडल

फ्लैट स्ट्रैपी सैंडल को भी मानसून में पहनना उचित हैं क्योंकि इनसे भी पैर आरामदायक स्थिति में रहते हैं। आपके हर आउटफिट के साथ ये आसानी से सूट कर सकते हैं और आरामदायक भी होते हैं। बता दें कि इन फुटवियर के टखने के चारों ओर हिल्स की तरह एक पट्टा जुड़ा होता है। इसको पहनने के बाद पैर पसीने और इसके कारण उत्पन्न होने वाली बदबू से भी बच जाते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

दूसरे वीकएंड में 'इनसाइड आउट 2' ने की 10 करोड़ डॉलर की कमाई

लॉस एंजिलिस। गर्मी के मौसम और बारिश से भीगे सप्ताहांत में लोगों को आकर्षित करने वाली फिल्म जब किसी स्टूडियो के पास होती है, तो ये उसके लिए मददगार साबित होती है। ऐसा ही कुछ डिज्नी/पिक्सर की 'इनसाइड आउट 2' के साथ हो रहा है। डिज्नी के अनुसार $100 मिलियन (भारतीय मुद्रा में लगभग 835 करोड़ रुपए) के साथ एक एनिमेटेड फिल्म के लिए ऐतिहासिक दूसरे फ्रेम की ओर बढ़ रही है। यदि यह संख्या बनी रहती है, तो यह -35 फीसदी सेकंड-वीकेंड की आसानी है, जो कि किसी भी तरह के टेंटपोल के लिए असाधारण है। इसने न केवल एनिमेटेड फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ दूसरे सप्ताहांत को पीछे छोड़ दिया, जिसने पहले इल्युमिनेशन/यूनिवर्सल की सुपर मारियो ब्रोस मूवी, जिसने 770 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। बल्कि यह जुलाई के अंत में बार्बी के 776 करोड़ रुपए के बाद से सर्वश्रेष्ठ दूसरा सप्ताहांत है। यह फोर्स अवेकेंस इसके साथ ही यह फोर्स अवेकेंस (1246 करोड़ रुपए), एवेंजर्सः एंडगेम (1230 करोड़ रुपए), एवेंजर्सः इनफिनिटी वॉर (957 करोड़ रुपए), ब्लैक पैंथर (932 करोड़ रुपए), जुरासिक वर्ल्ड (889 करोड़ रुपए) और द एवेंजर्स (860 करोड़ रुपए) के बाद $100 मिलियन (भारतीय मुद्रा में लगभग 835 करोड़ रुपए) को पार करने वाला सातवां सर्वश्रेष्ठ दूसरा सप्ताहांत है।

टॉलीवुड

'एनकेआर 21' में एक्शन अवतार में दिखाई दे रही हैं विजयशांति

मुंबई। 'एनकेआर 21' में विजयशांति पुलिस अधिकारी का रोल निभा रही हैं। फिल्म निर्माताओं ने इस फिल्म से उनके लुक को जारी कर दिया है। विजयशांति का लुक जारी होने के बाद साफ हो गया है कि वो परदे पर आईपीएस ऑफिसर का किरदार निभाती हुई नजर आएंगी। टीजर में वो काफी दमदार नजर आ रही हैं और उन्हें दुश्मनों पर गोलियां चलाते हुए देखा जा सकता है। विजयशांति के फैंस उनके एक्शन अवतार को देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। 'एनकेआर 21' में नंदामुरी कल्याण राम मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो इन दिनों इसकी शूटिंग में व्यस्त हैं। उनके अलावा अभिनेत्री साई मांजरेकर भी लीड रोल में दिखाई देंगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रदीप चिलुकुरी ने किया है और उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। मुप्पा वेंकैया चौधरी, अशोक वर्धन मुप्पा और सुनील बालूसु इसके निर्माता है और फिल्म का निर्माण एनटीआर आर्ट्स और अशोका क्रिएशन्स के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म में अजनीश लोकनाथ का संगीत सुनने को मिलेगा। कैमरे का काम सी. राम प्रसाद संभाल रहे हैं।

भोजपुरी

'जिया हो बिहार के लाला' गाने के लिए मनोज ने बिना फीस लिए की करोड़ों की कमाई

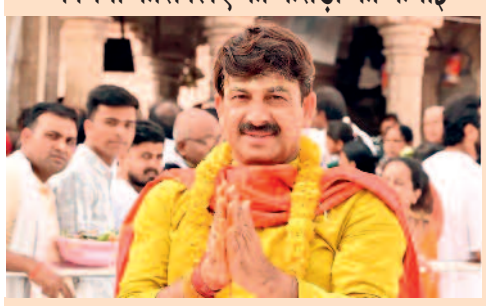

नई दिल्ली। मनोज तिवारी ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि 'जिया हो बिहार के लाला' गाने के लिए उन्हें अनुराग कश्यप ने 5 लाख रुपए ऑफर किए थे। लेकिन उन्होंने इस ऑफर को मना कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने इस गाने के लिए कोई भी फीस नहीं ली थी और फ्री में ही गाने को गाया था। इस गाने की वजह से मैंने 5-6 दिन में 10 फिल्में साइन की, जो इंसान सवा दो लाख में फिल्म करता था, तब 30 लाख में मैंने एक फिल्म की। यानी 3 करोड़ रुपया...। उन्होंने ये भी बताया कि, 'जब अनुराज ने मुझे ऑफर दिया तो मैं बहुत बिजी था और उनके लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान था। तब मैंने कहा हम थोड़ा बिजी हैं, तो उन्होंने कहा जब तक नहीं गाएंगे तब तक रोकेंगे. फिल्म शूट हो गई, तब गाना रिकॉर्ड हुआ. इसके बाद अनुराग कश्यप स्टूडियो में थे और उनके सामने ही मैंने 'जिया हो बिहार के लाला' गाना गाया।' यूं तो मनोज तिवारी के गाए हुए कई गाने काफी पॉपुलर हुए हैं। लेकिन अनुराग कश्यप की फिल्म 'गैग्स ऑफ वासेपुर' में उनका गाया हुआ गाना 'जिया हो बिहार के लाला' काफी ज्यादा हिट हुआ था। साल 2012 में आए 'जिया हो बिहार के लाला 'गाने को आज भी लोग सुनना पसंद करते हैं।हाल ही में मनोज तिवारी ने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने कोई भी फीस नहीं ली थी। लेकिन फिर भी उन्होंने करोड़ों की कमाई की थी। भोजपुरी स्टार ने बताया कि, 'इसके बाद अनुराग कश्यप ने मुझे अपनी फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में गाना गाने का मौका दिया था। तब मैं बिजी बहुत था क्योंकि तब मैं सुपरस्टार था।मेरी फिल्म 2004 में हिट हुई और 100 दिन तक चली. हल्ला हो गया पूरे देश में, क्योंकि 100 दिन तक कोई फिल्म चलती ही नहीं थी और तब मेरे पास प्रोड्यूसर्स की लाइन लग गई।'

लहंगे से साड़ी तक सब में फिट लाइफ स्टाइल

साड़ी से लेकर शरारा या लहंगे के साथ में कई तरह के डिजाइन वाले ब्लाउज को पहना जाता है। इसमें आपको काफी साड़ी पैटर्न, कलर, वर्क में वेरायटी देखने को मिल जाएगी। आजकल सिंगल या एक शोल्डर वाले ब्लाउज के डिजाइंस को काफी पसंद किया जा रहा है। आप एक साइड शोल्डर का डिजाइन बनाकर साइड में नेट के फैब्रिक से फ्रिल बनाकर ब्लाउज के शोल्डर को स्टेटमेंट लुक देने का काम कर सकती हैं। अंगरखा स्टाइल में आपने सूट और कुर्तियों के डिजाइन को कई देखे होंगे, लेकिन आप स्टाइलिश लुक पाने के लिए ब्लाउज के साथ में भी इस तरह का मॉडर्न स्टाइल सिंगल शोल्डर ब्लाउज डिजाइन बनवा सकती हैं। इस तरह का ब्लाउज डिजाइन आप शरारा या लहंगा स्कर्ट के साथ में पहन सकती हैं।

आंखों के मेकअप के लिए अपनाएं सरल तरीके, दिखेंगी सबसे खूबसूरत

अच्छी तरह किया गया आई मेकअप आपके पूरे लुक में चार चांद लगा सकता है। घर से बाहर जाते समय अपनी आखों पर केवल आई लाइनर या मस्कारा लगाने से ही आपकी आखें बड़ी और आकर्षक दिखाई दे सकती हैं। चाहे ऑफिस जाना हो, दोस्तों से मिलना हो या किसी पार्टी में शिरकत देनी हो, आखों का मेकअप आपको सबसे अलग और खूबसूरत दिखने में मदद कर सकता है। आप इन मेकअप टिप्स के जरिए अपना आई मेकअप करें।

भौहों को दें आकार: अपनी आंखों के मेकअप को बेहद सुंदर दिखाने के लिए सबसे जरूरी कदम है अपनी भौहों को सही आकार देना। किसी पार्लर में जा कर ब्यूटीशियन की मदद से अपने भौहों के सही आकार को समझें और अपने चहरे के आकार के अनुसार ही भौहों को शेप करवाएं। आप ऐसा करने के लिए वैक्सिंग, थ्रेडिंग या शेविंग का सहारा ले सकते हैं। मेकअप से पहले भौहों को अच्छा दिखाने के लिए आइ-ब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें।

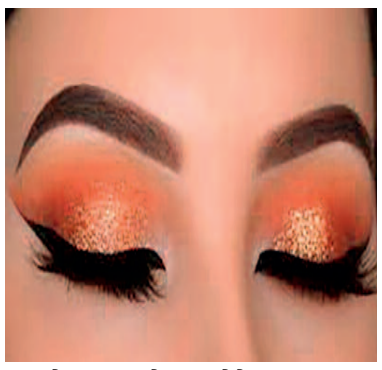

इस्तेमाल करें ट्रांसपेरेंट मस्कारा

ट्रांसपेरेंट मस्कारा कम पसंद किया जाता है, लेकिन यह आपकी भौहों और पलकों को निखारने में मदद कर सकता है। अपनी भौहों को सही जगह पर सेट करने और प्राकृतिक रंग प्रदान करने के लिए उन पर ट्रांसपेरेंट मस्कारे का एक कोट लगाएं। साथ ही आप इस उत्पाद को अपनी पलकों पर भी उपयोग कर सकते हैं। अपनी पलकों को लंबा और घना दिखाने के लिए इसकी 2 से 3 कोट लगाएं।

काजल को हल्का सा फैलाएं

काजल या सुरमा भारतीय मेकअप रूटीन का एक बेहद जरूरी हिस्सा होता है। आप काजल को हल्का सा फैलाकर अपने लुक को और शानदार बना सकती हैं। स्मजिंग की कला में महारत हासिल करने के लिए, अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लैश लाइन पर काजल लगाना शुरू करें। अब एक साफ और छोटे स्मजिंग ब्रश का उपयोग करके काजल को धीरे से बाहर की ओर ब्लेंड करें। इससे आपको एक स्मोकी और बोल्ड लुक मिलेगा।

अंत में लगाएं सेटिंग पाउडर

कई बार आई मेकअप पसीने और अन्य कारकों के कारण देर तक नहीं टिक पता। आप अपने आई मेकअप को पूरे दिन टिकाना चाहती हैं तो सेटिंग पाउडर का इस्तेमाल करें। काजल या आईलाइनर लगाने के बाद एक मुलायम ब्रश का उपयोग करके आंखों पर हल्का सा सेटिंग पाउडर लगाएं। यह कदम लाइनर को अपनी जगह पर सेट रखने में मदद करेगा।

साड़ी कभी आउट ऑफ फैशन नहीं होती

फैशन

भारतीय महिलाओं के लिए साड़ी कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होती है। अगले माह से सावन प्रारंभ हो जाएगा और इसके साथ ही फेस्टिव सीजन की शुरुआत भी हो जाएगी। रक्षाबंधन, गणेश चतुर्थी, दुर्गा पूजा और दिवाली का उत्साह कुछ ही समय में वातावरण को सुशोभित कर देगा। ऐसे में अगर महिलाएं यह सोच-सोचकर परेशान हो रही हैं कि किस अवसर पर क्या पहना जाए तो इन सभी के लिए साड़ी एकदम बेहतरीन विकल्प है, जिसे वे एक या दो नहीं बल्कि पांच तरह से अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। आइए जानते हैं कैसे।

धोती या पंत स्टाइल साड़ी : सबसे पहले अपनी साड़ी के रंग से मैच करती हुई लेगिंग पहनें, फिर साड़ी के पल्लू का आखिरी हिस्सा लेकर उसकी प्लेट्स बनाकर इसे अपने बाएं कंधे पर रखें। अब साड़ी के दूसरे सिरे को पकड़कर इसे एक बार लपेटते हुए दाएं ओर से कमर टक इन करें। इसके बाद साड़ी के ढीले हिस्से की प्लेट्स बनाएं और इसे बीच से साड़ी में डालें, फिर कंधे वाली प्लेट्स पर पिन लगाएं। अंत में एक डिजाइनर बेल्ट कमर पर बांधे।

लहंगा स्टाइल साड़ी : अपनी लहंगा चोली के ऊपर, एक लंबे दुपट्टे या साड़ी के एक सिरे को लेकर प्लेट्स बनाएं और लंबे हिस्से को पीछे छोड़ते हुए इसे बाएं कंधे पर रखें। अब पल्लू के दूसरे सिरे की प्लेट्स बनाएं और इसे अपनी कमर की दाईं ओर से टक इन करें। इस तरह से आपके पल्लू को पीछे की तरफ यू-आकार मिलेगा। इसके बाद सामने की तरफ से अपने पल्ले को सेट करें और कंधे की तरफ से इस पर पिन लगाएं।

नेक ड्रेप स्टाइलिश लुक : इस स्टाइलिश लुक में साड़ी के पल्लू को अपने गले में दुपट्टे की तरह लपेटना होता है। इस साड़ी स्टाइल के लिए अपनी साड़ी को सामान्य तरीके से लपेट लें, लेकिन इस दौरान एक लंबा पल्लू जरूर छोड़ें। बेहतर होगा कि आप इसके लिए ऐसी साड़ी चुनें, जो सामान्य से अधिक लंबी हो। साड़ी लपेटने के बाद पल्लू की प्लेट्स बनाकर इसे अपनी गर्दन के चारों ओर बाएं से दाएं स्कार्फ की तरह लपेटें।

डबल साड़ी ड्रेपिंग स्टाइल : सबसे पहले दो साड़ी लें, फिर इसकी छह प्लेट्स बनाएं और इसे पेटीकोट के अंदर बीच में बाईं ओर से लाते हुए डालें। अब इसके पल्लू से प्लेट्स बनाएं और इसे बाएं कंधे पर लटकाते हुए पीछे की ओर से सामने लाएं, फिर अपनी दूसरी साड़ी को दाईं ओर रखते हुए इसकी पांच प्लेट्स बनाकर इसे बीच में टक इन करें। अंत में इसके पल्लू की प्लेट्स बनाकर इसे पीछे से सामने से दूसरी तरफ से दाहिने कंधे पर रखें।

टैटू बनवाने जा रहे हैं तो हो जाएं सावधान वरना हो सकते हैं ये नुकसान

अगर आपको भी टैटू बनवाने का शौक है तो सावधान हो जाइए। एक नई स्टडी में डराने वाला खुलासा हुआ है। स्वीडन में हुई एक स्टडी में पाया गया है कि टैटू और ब्लड कैंसर लिंफोमा का कनेक्शन हो सकता है। लिंड यूनिवर्सिटी स्वीडन के रिसर्चर की एक स्टडी में स्वीडिश नेशनल कैंसर रजिस्टर का एनालिसिस करने के बाद पता चला है कि टैटू बनवाना खतरनाक हो सकता है। 2007 से 2017 तक 10 साल तक 20 से 60 उम्र वालों के डेटा की जांच की गई, जिनमें लिंफोमा का पता चला था। इस अध्ययन में इन सभी की तुलना उसी एज ग्रुप के हेल्दी इंसानों से की गई जिनमें लिंफोमा के कोई लक्षण नहीं मिले हैं।

स्टडी में क्या पाया गया

इस अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों ने टैटू बनवाया था, उनमें टैटू न बनवाने वालों की तुलना में लिंफोमा का खतरा 21% अधिक था। इससे खतरा और भी ज्यादा बढ़ जाता है। इस अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों ने पिछले दो सालों में टैटू बनवाया है, उनमें लिंफोमा का रिस्क 81% अधिक था।

टैटू बनवाना क्यों खतरनाक

शोधकर्ताओं का कहना है कि इसे लेकर अभी और भी ज्यादा अध्ययन की जरूरत है। इससे समझने की जरूरत है कि टैटू की स्याही में कौन-कौन से केमिकल्स लिंफोमा के खतरे को बढ़ा सकते हैं। इस अध्ययन से ये साबित नहीं होता है की टैटू सीधे कैंसर का कारण बन सकता है। इससे सिर्फ इतना पता चलता है कि दोनों में संबंध हो सकता है।

टैटू बनवाने वाले क्या करें : टैटू बनवाने वालों को घबराने की जरूरत नहीं है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक हमेशा एक प्रोफेशनल टैटू आर्टिस्ट से ही बनवाना चाहिए. ऐसी जगह टैटू बनवाएं, जहां साफ-सफाई सही तरह हो सके और हमेशा अच्छी क्वॉलिटी की स्याही का यूज हो। अगर कोई गंभीर बीमारी है तो एक्सपर्ट्स से भी इसकी सलाह लें।

आपके कान का छेद भी हो गया है बड़ा तो इन टिप्स की मदद से करें इसे छोटा

अधिकतर लड़कियां अपने कानों को सुंदर बनाने के लिए कम उम्र में ही अपने कान छिदवा लेती है और खूबसूरत इयररिंग्स पहनना शुरू कर देती हैं लेकिन धीरे-धीरे जब लड़कियों की उम्र बढ़ती जाती है, तो उनके कान के छेद भी बढ़ने लगते हैं। जब महिलाएं आए दिन भारी इयररिंग पहनती हैं, तब इससे कान के छेद बड़े होने लगते हैं।

बिना सर्जरी करें कान के छेद को छोटा : छेद बड़े होने की वजह से अधिकतर महिलाओं को इयररिंग्स पहनने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है क्योंकि जब भी वे इयररिंग्स पहनती है, छेद बड़े होने की वजह से उनके इयररिंग्स गिरने लगते हैं, इससे बचने के लिए कुछ महिलाएं सर्जरी करवाने निकल जाती हैं, लेकिन अब

आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आप बिना सर्जरी के इन छेदों को छोटा करना चाहती हैं, तो ये खबर आपके लिए है।

इयरलोब टेप का इस्तेमाल : बता दें कि बाजार में इयरलोब टेप नाम का एक प्रोडक्ट मिलने लगा है। यह एक बिंदी नुमा टेप है, जिसे आप इयररिंग पहनते वक्त अपने कानों में पीछे की साइड चिपका सकती हैं। इसका इस्तेमाल कर आप आसानी से इयररिंग्स पहन सकती हैं। आप चाहे तो इस प्रोडक्ट को ऑनलाइन भी मंगा सकती हैं।

सर्जिकल टेप का इस्तेमाल : इसके अलावा आप बाजार से सर्जिकल टेप खरीद कर ला सकती हैं। यह नॉर्मल टेप से थोड़ी अलग होती है, इसमें छोटे-छोटे छेद होते हैं, जिससे हवा पास होती है और कान को कोई परेशानी नहीं होती है। इस टेप को खरीदने के लिए आप किसी भी मेडिकल दुकान पर जा सकती हैं। आपको इस टेप का छोटा सा टुकड़ा काट कर अपने कान के छेद पर पीछे की ओर लगाना होगा, इसके बाद जब भी आप इयररिंग पहनेंगी तो आप खुद नोटिस करेंगे की कुछ मिनट के अंदर ही इयररिंग कान में अच्छे तरीके से फिट हो गया है और कान का छेद भी छोटा दिखाई दे रहा है।

कार्नर न्यूज

मूवी नाइट से लेकर फॉर्मल पार्टी और डेट नाइट तक, जींस कभी भी फैशन से बाहर नहीं होती

हर महिला के पास जरूर होनी चाहिए कुछ ऐसी जींस जो सभी अवसरों पर लगें बेहतरीन

जींस 1973 से फैशन की दुनिया का अहम हिस्सा बनी हुई है। कैजुअल ब्रंच और मूवी नाइट से लेकर फॉर्मल पार्टी और डेट नाइट तक, जींस कभी भी फैशन से बाहर नहीं होती है। आजकल बाजार में कई तरह की जींस मौजूद हैं, इसलिए अगर आप यह सोच रही हैं कि उनमें से किसे अपनी अलमारी का हिस्सा बनाना चाहिए तो आइए आज हम कुछ ऐसी जींस के बारे में बताते हैं जो हर अवसर पर बेहतरीन लगेगी।

स्किनी जींस

स्किनी जींस सभी बॉडी शेप और साइज के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यही वजह है कि आपके पास यह जरूर होनी चाहिए। कमर से टखने तक यह जींस एक बेहतरीन फिटिंग प्रदान करती है और पैरों का सटीक आकार लेती है, जो सभी अवसरों के लिए एक आरामदायक विकल्प बनाता है। स्किनी जींस स्ट्रेचेबल भी होती है और सभी तरह की टी-शर्ट, टॉप और शर्ट के साथ टिमअप करके पहनी जा सकती है।

बॉयफ्रेंड जींस

यह जींस भी आपके पास जरूर होनी चाहिए। महिलाएं इसकी मदद से टॉम बॉय या गर्ली लुक क्रिएट कर सकती हैं। रफ टफ लुक के लिए आप बॉयफ्रेंड जींस को लूज क्रॉप टॉप और एंकल लेंथ सैंडल के साथ टिमअप करके पहन सकती हैं। इसके साथ ही इस आउटफिट को आप ऑक्सीडाइज ज्वैलरी के साथ टिमअप करके भी पहन सकती हैं।

मॉम जींस

सन 80 के दशक ट्रेंडी और राजकुमारी डायना के पसंदीदा आउटफिट में से एक, मॉम जींस वापस ट्रेंड में लौट आई है, लेकिन थोड़े बदलाव के साथ। इस प्रकार की जींस की कमर ऊंची होती है, लेकिन पैरों से थोड़ी खुली होती है। बेहतर होगा कि आप इस जींस को नीले या काले रंग में अपने फैशन का हिस्सा बनाएं। आप इस जींस को क्रॉप टॉप के साथ टिमअप करके पहन सकती हैं।

हाई-वेस्ट जींस

हर महिला की अलमारी में हाई-वेस्ट जींस भी जरूर होनी चाहिए क्योंकि यह आपकी कमर को हाइलाइट करती है और एक अच्छा शानदार लुक प्रदान करती है। इसके अलावा हाई-वेस्ट जींस आपके पेट की चर्बी को छुपाती है और कुल्हों को सही शेप भी देती है। आप चाहें तो हाई-वेस्ट जींस को प्लेन टी शर्ट के साथ भी टिमअप करके पहन सकती हैं।